RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 131 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 23 फरवरी 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

शहर में नहीं कम हो रहे अपराध, पहले साथ बैठकर शराब पी फिर हुआ विवाद

एएसआई पुत्र ने आरक्षक को मारा चाकू

श्रीकंचनपथ न्यूज

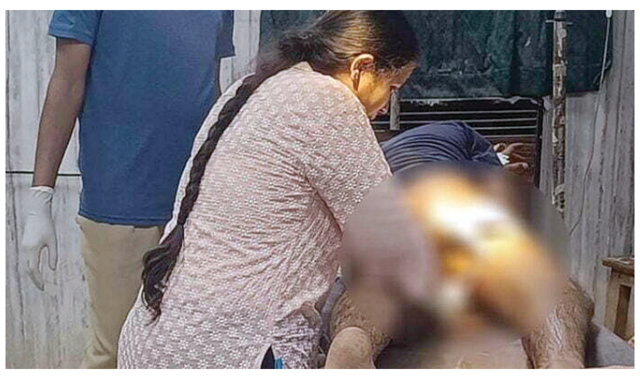

भिलाई। बीती रात भिलाई नगर थाना क्षेत्र में फिर एक चाकूबाजी की घटना हुई है। इस बार आरोपी भिलाई क्राइमब्रांच में तैनात एएसआई का बेटा है। दरअसल एएसआई का बेटा और उसका आरक्षक दोस्त साथ बैठकर शराब पी रहे थे। इस दौरान दोनों में कुछ विवाद हुआ और विवाद के बीच एएसआई के बेटे ने आरक्षक पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में आरक्षक घायल हो गया है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना बुधवार रात की बताई जा रही है। उतई थाने में पदस्थ आरक्षक ताम्रध्वज चंद्राकर बुधवार रात वो ड्यूटी से घर पुलिस क्वार्टर सेक्टर 6 लौट रहा था। सिविक सेंटर में रुककर उसने एएसआई चंद्रशेखर सोनी के बेटे सोनू सोनी (28) को फोन कर बुलाया। इसके बाद दोनों ने देर रात तक सिविक सेंटर स्थित रतन बार में बैठकर शराब पार्टी की। शराब पार्टी के दौरान दोनों में किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया।

इसके बाद आरक्षक ताम्रध्वज बार से बाहर निकलने लगा इतने पीछे से आक सोनू सोनी ने अपने पास रखे चाकू से सिपाही के जांघ पर चार से पांच बार वार कर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही भिलाई नगर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल आरक्षक को अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की जानकारी मिलने के बाद एसपी डॉ अभिषेक पल्लव व सीएसपी निखिल रखेचा ने टीम भेजी। पुलिस ने रात में ही एएसआई के आरोपी बेटे सोनू साहू को गिरफ्तार कर लिया। आरक्षक ताम्रध्वज साहू का इलाज सेक्टर-9 हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

कार से मारी बस कंडक्टर को टक्कर, गंभीर रूप से घायल कंडक्टर रायपुर रेफर

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में गुरुवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। सड़क पर सवारी के लिए खड़े बस कंडक्टर को यहां के भाजपा नेता ने अपनी कार से ठोकर मार दी। कंडक्टर को ठोकर मारने के बाद यहां की एक चाय दुकान को तोड़ते हुए कार नाली में जा गिरी। हादसे में कंडक्टर गंभीर रूप से घायल हो गया जिसके अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं कार चालक को भी चोट आई है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना गुरुवार सुबह लगभग 7:30 बजे की है। चांपा के लिए निकली गदाधारी बस का कंडक्टर राजकुमार साहू सड़क पर सवारी के लिए खड़ा था। इस दौरान जेठा की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार राजकुमार को ठोकर मारते हुए चाय की दुकान में घुस गई। चाय की दुकान को तोड़ते हुए कार नाली में जा गिरी। कार को प्रकाश साहू नाम का शख्स चला रहा था। प्रकाश साहू भाजपा सक्ती नगर मंडल का सोशल मीडिया प्रभारी है।

हादसे के बाद मौके पर अफ्रा तफ्री मच गई। घटना के बाद घायल बस कंडक्टर राजकुमार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं भाजपा नेता प्रकाश साहू को भी मामूली चोटें आई। प्रकाश साहू का प्राथमिक इलाज के बाद घर भेज दिया गया। वहीं बस कंडक्टर राजकुमार साहू की गंभीर हालत को देखते हुए उसे रायपुर रेफर कर दिया गया है। फिलहाल इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

विश्वभूषण हरिचंदन ने ली छत्तीसगढ़ के राज्यपाल पद की शपथ, हाईकोर्ट के जज ने दिलाई शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्वभूषण हरिचंदन ने आज राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित गरिमामय समारोह में छत्तीसगढ़ के नौवें राज्यपाल के रूप में अपने पद की शपथ ली। उच्च न्यायालय, बिलासपुर के मुख्य न्यायधिपति न्यायमूर्ति अरूप कुमार गोस्वामी ने उन्हें शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रथम महिला सुप्रभा हरिचंदन भी उपस्थित रहीं। शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पुष्प गुच्छ देकर उनका अभिनंदन भी किया।

बता दें हाल ही में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने 13 राज्यों के राज्यपाल बदले हैं। छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसइया उइके की जगह विश्वभूषण हरिचंदन को छत्तीसगढ़ का नया राज्यपाल बनाया गया। अनुसुइया उइके दो दिन पहले ही छत्तीसगढ़ से विदा हुई हैं। उनकी जगह राज्यपाल बनाए गए विश्वभूषण हरिचंदन ने गुरुवार को शपथ लेकर अपना पदभार ग्रहण किया।

खुर्सीपार में युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खुर्सीपार वार्ड 48 में युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। सुबह परिजनों ने घर के कमरे में युवती की लाश देखी तो सभी बदहवास हो गया। घटना की सूचना मिलते ही खुर्सीपार पुलिस मौके पर पहुंची। कमरे में फंदे पर लटकते शव को उतार कर पीएम के लिए भेजा गया है। खुर्सीपा पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार जो5 3 खुर्सीपार वार्ड 48 निवासी युवती प्रियंका शाह ने अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। युवती यहां के एक निजी लैब में काम कर रही थी। गुरवार सुबह उसके कमरे में उसकी लाश मिली। बताया जा रहा है कि प्रियंका किसी बीमारी से पीड़ित थी और उसका इलाज भी चल रहा था। युवती से आत्महत्या क्यों की इससे पुलिस भी हैरान है। बताया जा रहा है कि प्रियंका ने इससे पहले भी आत्महत्या करने का प्रयास किया था। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

पलाश के फूलों का महत्व

भिलाई। पलाश भारत के सभी प्रदेशों और सभी स्थानों में पाया जाता है। पलास का वृक्ष मैदानों और जंगलों ही में नहीं, 4000 फुट ऊँची पहाड़ियों की चोटियों तक पर किसी न किसी रूप में अवश्य मिलता है। यह तीन रूपों में पाया जाता है—वृक्ष रूप में, क्षुप रूप में और लता रूप में। यहीं फूल भिलाई के रिसाली मरोदा सेक्टर के क्षेत्र में खिले हुए हैं। इसी प्रकार पलाश के फूलों से होली के लिए रंग बनाने के अलावा इसको पीसकर चेहरे में लगाने से चमक बढ़ती है। पलाश की फलियां कृमिनाशक का काम तो करती ही है इसके उपयोग से बुढ़ापा भी दूर रहता है। पलाश फूल से स्नान करने से ताजगी महसूस होती है। पलाश फूल के पानी से स्नान करने से लू नहीं लगती तथा गर्मी का अहसास नहीं होता।

फोटो जर्नलिस्ट-गौकरण निषाद

भिलाई स्टील प्लांट में ट्रांसफार्मर में आग से मचा हड़कंप, फायर ब्रिगेड मौके पर, शॉर्ट सर्किट से लगी आग

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट में हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। पिछले दो तीन दिनों ने प्लांट में अग्निकांड हो रहे हैं। ताजा मामले में प्लांट के भीतर एमएसडीएस-5 के ट्रांसफार्मर में आग लग गई है। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग फैलते ही इसकी सूचना फायर बिग्रेड को दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम आग पर काबू पा लिया है। आग से किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है लेकिन इस प्रकार की घटनाएं चिंता का विषय जरूर है। दो दिन पहले भी भिलाई स्टील प्लांट के आरएमपी-2 और बार एंड रॉड मिल में भी आग लगने और केबल जलने की घटना हो चुकी है।

रायपुर में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

शराब से भरे ट्रक सहित 2 कार जब्त, 5 तस्कर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर से इस वक्त बड़ी खबर सामने आ रही है। रायपुर आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ट्रक में भरे शराब और दो कार को पकड़ा है। जानकारी के मुताबिक आबकारी विभाग को शराब तस्करी की सूचना मुखबिर से मिली थी। जिस पर टीम ने बड़ी कार्रवाई की है।

फिलहाल, शराब से भरे ट्रक और दो कार को सिविल लाइन स्थित आबकारी कंट्रोल रूम रायपुर में रखा गया है। इस मामले में 5 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त गोवा व्हिस्की शराब की कीमत लगभग 80 लाख रुपए आंकी गई है।

जब चूना बोरी के अंदर भरकर शराब लाई जा रही थी। शराब तस्कर बिहार के धनबाद जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। वहीं एक प्रदेश के महासमुंद जिले का रहने वाला है। सभी तस्करों की गिरफ्तारी पिरदा से की गई।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा अरेस्ट : दिल्ली एयरपोर्ट में पुलिस ने किया गिरफ्तार, पीएम मोदी पर की थी टिप्पणी

नईदिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया गया है। पवन खेड़ा छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में होने जा रहे कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने के लिए दिल्ली-रायपुर इंडिगो फ्लाइट में बैठे थे। तभी उन्हें फ्लाइट से नीचे उतारा गया। पवन खेड़ा पर हुई कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस नेता एयरपोर्ट पर ही धरने पर बैठ गए। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई असम पुलिस की अपील पर की गई है।

बता दें कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ टिप्पणी भी की थी. इसे लेकर बीजेपी ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। असम के दीमा हसाओ के हाफ्लोंग में भी कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इस मामले में असम पुलिस उनकी रिमांड लेने के लिए दिल्ली रवाना हुई है। असम पुलिस की अपील के बाद ही दिल्ली पुलिस ने पवन खेड़ा को हिरासत में लिया है। पवन खेड़ा की गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस ने केन्द्र सरकार पर आरोप लगाना शुरू कर दिया है।

कांग्रेस ने किया ट्वीट

कांग्रेस ने ट्वीट कर बताया कि गुरुवार को इंडिगो की फ्लाइट 6इ-204 से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिल्ली से रायपुर जा रहे थे। सभी फ्लाइट में बैठ चुके थे। उसी वक्त हमारे नेता पवन खेड़ा को फ्लाइट से उतरने को कहा गया। ये तानाशाही रवैया है। तानाशाह ने अधिवेशन से पहले श्रष्ठ के छापे मरवाए और अब इस तरह की हरकत पर उतर आया। बता दें कांग्रेस का छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कल से अधिवेशन शुरू होने जा रहा है।

आपरेशन घर वापसी का कुछ तो फायदा हुआ

श्रीकंचनपथ

कहते हैं जिस घर में फूट पड़ी हो, उसे बाहरी दुश्मनों की जरूरत नहीं पड़ती। वह घर इतना कमजोर हो जाता है कि मामूली फूंक भी उसके लिए आंधी साबित होती है। हिन्दू या सनातन, मेरे लिए ये दोनों एक ही हैं, इसी फूट की वजह से लगातार कमजोर होता रहा है। शैव-वैष्णव की कभी नहीं पटी। रावण और विभीषण में भी झगड़ा इसी बात को लेकर था। विभिन्न वर्णों के बीच लगातार संघर्ष होते रहे और नए-नए पंथों का उदय होता रहा। इसकी आड़ में धर्मांतरण और मतांतरण भी खूब हुआ। अब वक्त की घड़ी को उलटा घुमाने की कोशिश की जा रही है। सन 1875 में हिन्दू कर्मकाण्डों से लोगों को निजात दिलाने के लिए ही आर्य समाज की स्थापना की गई थी। आर्य समाज केवल वैदिक रीतियों को मानता है। अलग अलग देवी देवताओं की पूजा पाठ के बजाय केवल वैदिक हवन करता है। अंत्येष्टि के बाद भी घर एवं आत्मा की शुद्धि के लिए हवन मात्र किया जाता है। आर्य समाज में भोज, दशगात्र, 13वीं आदि के प्रावधान नहीं हैं। आर्य समाज से वृहद समाज का नाता केवल इतना है कि किसी भी दिन, किसी भी समय यदि किसी को विवाह करना हो तो आर्यसमाज के मंदिर के दरवाजे उसके लिए खुले होते हैं। विवाह का इच्छुक जोड़ा किसी भी धर्म या पंथ का हो, उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। आर्य समाज में कोई शुभ मुहूर्त नहीं होता। उनका मानना है कि वक्त हमेशा शुभ होता है। आर्य समाज द्वारा संचालित स्कूलों में वैदिक मंत्रोच्चार की शिक्षा की जाती है। हवन कराये जाते हैं। इसलिए हिन्दू जागरण मंच के 'ऑपरेशन घर वापसी' अभियान में उसका जुड़ जाना सुखद है। वैसे भी दुनिया के लगभग सभी धर्मों में ग्रंथों को ही गुरू का स्थान दिया गया है। गुरुग्रंथ साहिब तो घोषित तौर पर कहता है- 'गुरु मान्यो ग्रंथ'। अन्यान्य धर्मों में भी बाइबल, कुरान, गीता आदि को गुरू का स्थान प्राप्त है। इन धर्मों के अनुयायी ग्रंथों में दिए गए उपदेशों और निर्देशों का पालन करने की कोशिश करते हैं। पर यह भी एक विडम्बना है कि एक ही धर्म ग्रंथ को पढ़ने और समझाने वाले अलग-अलग लोग इनकी अलग-अलग व्याख्या करते हैं। कोई कहता है कि ईश्वर तक पहुंचने का एकमात्र मार्ग प्रेम है तो दूसरा कहता है कि विधर्मियों का संहार करके ही स्वधर्म की रक्षा की जा सकती है। छत्तीसगढ़ के जशपुर में धर्म जागरण समन्वय विभाग द्वारा घर वापसी का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। पिछले दिनों यहां 36 परिवारों के 250 लोगों की हिन्दू धर्म में वापसी करायी गयी। गंगाजल से इनका पाद प्रक्षालन (पैर धुलवाए) गए। इस कार्यक्रम में भाजपा के नेता, पूर्व मंत्री, वनवासी कल्याण आश्रम (संघ) के साथ ही आर्य समाज भी प्रमुख भूमिका में है। इसका नेतृत्व प्रबल प्रताप सिंहदेव कर रहे हैं। वे अपने पिता स्व। दिलीप सिंह जूदेव की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं।

संपादकीय

सही नसीहत

मशहूर लेखक फैज अहमद फैज की याद में लाहौर में आयोजित एक कार्यक्रम में लेखक-गीतकार जावेद अख्तर द्वारा व्यक्त विचार सबके लिए स्वागतयोग्य और पाकिस्तान के लिए अनुकरणीय है। कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति ने जावेद अख्तर से सवाल पूछ लिया था। वह चाहता था कि जावेद अख्तर अपने साथ भारतीयों के लिए शांति का संदेश लेकर जाएं, भारतीयों को यह पता चले कि पाकिस्तान एक मित्रवत और प्यार करने वाला देश है। कुल मिलाकर, वह पाकिस्तानी यह बताना चाहता था कि पाकिस्तानी अच्छे लोग हैं। इसके जवाब में जावेद अख्तर ने बहुत संतुलित जवाब देते हुए मुंबई हमले को याद किया। उन्होंने कहा कि हम तो बंबई के लोग हैं। हमने देखा, वहां हमारे साथ क्या हुआ था। हमला करने वाले नॉर्वे या मिस्र से नहीं आए थे और वे लोग आज भी पाकिस्तान में घूम रहे हैं। ये शिकायत अगर हिन्दुस्तानियों के दिल में है, तो आपको बुरा नहीं मानना चाहिए। लेकिन तात्कालिक रूप से जावेद अख्तर की बात पर तालियां बजाने वाले पाकिस्तानी भी अब नाराजगी जता रहे हैं।

> आतंकी हमलों की लंबी सूची है, लेकिन अगर एक ही मुंबई हमले को सामने रख दिया जाता है, तो पाकिस्तान को परेशानी हो जाती है। भारत कैसे भुला दे? लश्कर-ए-तैयबा के दस पाकिस्तानी आतंकवादियों ने मुंबई में इमारतों पर हमला किया, जिसमें 164 लोग मारे गए थे।

दरअसल, जावेद अख्तर ने भारत और पाकिस्तान के लोगों के बीच दोस्ती का वह दौर देखा है, जब मेहदी हसन भारत आते थे, तब कोई उनकी शान में कसीदे पढ़ता था, तो उनके स्वागत समारोह में लता मंगेशकर और आशा भोंसले जैसी हस्तियां शामिल होती थीं। फैज अहमद फैज भी जब भारत आते थे, तब उन्हें प्रचार-प्रसार माध्यमों में खूब जगह मिलती थी। हर तरफ प्रसारण होता था। जावेद अख्तर ने उस दौर को याद करते हुए कहा कि अब नाकाबंदी की स्थिति है, लेकिन पाकिस्तान की ओर से ज्यादा है। यह बात उन पाकिस्तानियों को नागवार गुजरेगी, जो भारत विरोध के जहर से लबालब हैं। आतंकी हमलों की लंबी सूची है, लेकिन अगर एक ही मुंबई हमले को सामने रख दिया जाता है, तो पाकिस्तान को परेशानी हो जाती है। भारत कैसे भुला दे? लश्कर-ए-तैयबा के दस पाकिस्तानी आतंकवादियों ने मुंबई में इमारतों पर हमला किया, जिसमें 164 लोग मारे गए थे। जावेद अख्तर जैसी सेकुलर और समझदार हस्ती दुनिया में कहीं भी जाकर उस हमले को कैसे भुला सकती है? ध्यान रहे, यह उनकी भलमनसाहत है कि उन्होंने पाकिस्तान जाकर अपनी ओर से नहीं, बल्कि एक सवाल के जवाब में यह सब कहा है। उन्होंने मेजबान को नीचा नहीं दिखाया, सिर्फ एक आईना सामने किया है, ताकि पाकिस्तान अपना चेहरा सुधार ले। कोई दोराय नहीं, विगत वर्षों में पाकिस्तान के जिम्मेदार लोगों को खूब सकारात्मक अनुभव हुए हैं। उसी कड़ी में जावेद अख्तर के उद्गार को भी देखा जाना चाहिए। पाकिस्तान में जहां जावेद अख्तर की निंदा करने वाले कह रहे हैं कि उन्हें बुलाना ही नहीं चाहिए था, तो वहीं भारत में यह भी कहा गया है कि जावेद अख्तर ने पाकिस्तान में घुसकर मारा। ये दोनों ही अतिवादी बयान हैं और अतिवादी बयानों की वजह से ही दोनों देशों के लोगों के परस्पर रिश्ते बहुत तनावपूर्ण हो गए हैं। जो आतंकवादी हैं, उनकी तो खैर नहीं, लेकिन जो सद्भावी हैं, उनकी उम्मीदों को बनाए रखना चाहिए। आतंकवाद की महामारी ही पाकिस्तान को कंगाली की राह पर ले गई है। ऐसे में, पाकिस्तान को उन संजीदा लोगों की बातों पर गौर करना चाहिए, जो अमन-चैन व इंसानियत का भला चाहते हैं। दोनों ओर के संजीदा लोगों को अपनी ओर से भी सद्भाव व सुधार के प्रयास छोड़ने नहीं चाहिए।

महावीर की सीख

एक दिन महावीर के पास उस समय का सम्राट प्रसेनजित गया और कहा, 'आपकी बातें सुनीं और मुझे साफ दिखाई पड़ने लगा कि मैं तो बिल्कुल दरिद्र हूं। सब कुछ है मेरे पास, और कुछ भी नहीं है। आपने मेरी नींद तोड़ दी। मैं एक ख्वाब देखता था, सम्राट होने का। मगर मेरे पास तो कुछ भी नहीं। मेरे हृदय में बड़ा संताप पैदा हो गया है। आप जिस धन की बात कर रहे हो, वह कहां से पाऊं, कैसे पाऊं?'

महावीर ने कहा, 'मैं तो ध्यान को ही धन कहता हूं। कोई और धन नहीं है। कहीं और पाने जाना भी नहीं है।' लेकिन प्रसेनजित तो प्रसेनजित! बड़ा राज्य बनाया था, दूर-दूर तक जीता था, पताका फहराई थी। उसने कहा, 'आप फिक्र न करें, बस मुझे बता दें कि कहां है, मैं जीत लाऊंगा।' महावीर हंसे। उन्होंने कहा, 'यह जीतने की बात नहीं है और यह बाहर नहीं है। फौज-फांटा काम नहीं आएगा।' प्रसेनजित ने कहा, 'मैं सब तरह की कीमत चुकाने को तैयार हूं। सारा राज्य भी देना पड़े, तो दे दूंगा, मगर ध्यान लेकर रहूंगा। आप बताएं तो सही?

महावीर ने कहा, 'कुछ देने से ध्यान नहीं मिलता। यह लेने-देने की बात ही नहीं है।' लेकिन प्रसेनजित को कुछ समझ में न आए। उसने तो सब चीजें खरीदी थीं या जीती थीं। वह यही सोचता था कि ध्यान भी जीत लेगा। और ऐसा प्रसेनजित ही सोचता हो, ऐसा नहीं है, तुम भी इसी तरह सोचते हो। बहरहाल, महावीर ने मुस्कराते हुए कहा, 'ऐसा करो, तुम्हारे गांव में ही एक गरीब आदमी है, उसको ध्यान मिल गया है। यह मेरा शिष्य है, गरीब है, उसके पास कुछ नहीं है। तुम उससे खरीद लो, शायद वह बेचने को राजी हो जाए।' प्रसेनजित रथ लेकर उस गरीब के दरवाजे पर पहुंच गया। गरीब सम्राट के चरणों में गिरते हुए कहा, 'आपके आने की जरूरत क्या थी? आप मुझे बुला भेजते?' प्रसेनजित ने कहा, 'आना पड़ा। मैं ध्यान लेने आया हूं। महावीर ने कहा है कि तुझे ध्यान मिल गया है। तू धन्यभागी है। ध्यान मुझे दे दे और जितना धन तुझे चाहिए, वह मुझसे ले ले।

वह गरीब आदमी हंसने लगा। उसने कहा, 'मालूम होता है, उन्होंने आपसे मजाक किया है। मैं अपने प्राण तो दे सकता हूं, पर ध्यान कैसे दे सकता हूं? ध्यान दिया ही नहीं जा सकता। ध्यान तो आंतरिक संपदा है; आविष्कार करना होता है। यह बाहर जाने से नहीं, भीतर जाने से मिलता है। ध्यान तो प्रत्येक लेकर पैदा हुआ है।

गरीब ने प्रसेनजित से आगे कहा, 'महावीर ने आपको यहां इसीलिए भेजा है, ताकि आप समझ पाएं कि जगत में कुछ ऐसा भी है, जो न दिया जा सकता है, न लिया जा सकता है, इसे बेचा या खरीदा भी नहीं जा सकता। उसके लिए अपने भीतर का दीया जलाना होगा, जो आपके सिवाय और कोई नहीं कर सकता।

ओशो

आर्थिक विषमता दूर की जाएगी

कांग्रेस का आर्थिक कार्यक्रम निर्धारित करने के लिए कांग्रेस महासमिति ने अपनी 17 नवम्बर, 1947 की बैठक में पंडित जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में जो आर्थिक कार्यक्रम कमेटी नियुक्त की थी, उसने आज महासमिति के सामने अपनी रिपोर्ट पेश कर दी। कमेटी में पंडित नेहरू के अलावा मौलाना आजाद, श्री जयप्रकाश नारायण, प्रो. रंगा, श्री गुलजारी लाल नन्दा, श्री जे.सी. कुमारप्पा, बी अच्युत पटवर्धन और श्री शंकरराव देव शामिल थे। कमेटी ने बाद मे डॉ. जान मथाई को भी शामिल कर लिया था। रिपोर्ट में यह बताया गया है कि आर्थिक न्याय के आधार पर सामाजिक व्यवस्था की पुनर्स्थापना और जनता के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए वर्तमान आय और धन का न्यायोचित वितरण तथा देश की औद्योगिक उन्नति के समय आर्थिक दिक्कत को रोकना आवश्यक है। इस विषमता को मिटाने के कार्य में सर्वप्रथम उन लोगों की आय घटाने पर ध्यान दिया जायेगा, जिनकी आय राष्ट्रीय न्यूनतम आय से अत्यधिक हो।

> जी-20 भारत के लिए एक आदर्श मंच साबित हो सकता है, जिसके जरिये भारत अनेक विकसित व विकासशील देशों के बुनियादी विचारों को सही दिशा में प्रभावित कर सकता है।

बेहतर दुनिया की चाबी भारत के पास

समीर सरन

साल 2020 के बाद से चार बड़ी प्रभावी घटनाएं हुई हैं। इन घटनाओं की एक छोटी अवधि में मानो दशकों बीत गए हैं। नियम आधारित प्रक्रियाओं के तहत, मुक्त, निष्पक्ष व्यापार और एक आर्थिक व्यवस्था के रूप में भारत की अलग साख बनी है। ये बहुत महत्वपूर्ण तत्व या पहलू हैं, इससे आगे बढ़कर यदि हमें एक नई विश्व व्यवस्था का निर्माण करना है, तो हमको और ज्यादा संतुलित, समावेशी व निष्पक्ष होना पड़ेगा।

चार प्रभावी घटनाओं में पहली है, अफगानिस्तान में पश्चिमी शक्तियों का आत्मसमर्पण। तालिबान की जीत सिर्फ एक जंगी जीत नहीं थी, बल्कि धोखे से यह लोगों की हार थी। दुनिया भर के उदारवादियों को अंधेरे में रखा गया था। विडंबना देखिए, जिसे अफगानिस्तान में शांति लाने का समझौता कहा जाता है, आज उस कुख्यात दोहा समझौते के अमेरिकी समर्थक अफगान महिलाओं के बारे में चिंताएं जाहिर कर रहे हैं। उनका पाखंड नग्न व निर्मम है। अफगानिस्तान में जो हालात बने हैं, उनसे अलग हालात की कल्पना दोहा सौदे के जरिये नहीं की जा सकती थी। भारत ने उस घातक सौदे से एक तरह से सैद्धांतिक दूरी बनाए रखी। तालिबानी हुकूमत के असली चरित्र को समझते हुए भारत काबुल में एक निर्वाचित और बहुलतावादी सरकार की मांग करता रहा। भारत अकेला मुल्क था, जिसने दबाव के बावजूद समझौता नहीं किया। आज भी यह अत्याचार करने वाली हुकूमत को मान्यता दिए बिना अफगानियों का समर्थन जारी रखे हुए है।

दूसरी घटना रूस-यूक्रेन युद्ध है। हमले व जवाबी हमले के चलते इसमें बहुत रक्तपात हुआ है। ऐसे में, हिंसा की समाप्ति और सही राजनय की तलाश के पैरोकार भारत की सैद्धांतिक स्वतंत्र स्थिति को ही आगे बढ़ने का एकमात्र सार्थक तरीका मानते हैं। भारतीय रुख जी-20 सम्मेलन और उसके बाद भी प्रतिध्वनित हुआ है। बाली में की गई जी-20 के नेताओं की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को ही दोहराती है। दृष्टिकोण यही है कि शांति और स्थिरता की रक्षा करने वाली बहुपक्षीय प्रणाली को बनाए रखने की जरूरत है। भारतीय दृष्टिकोण शांतिपूर्ण समाधान के महत्व को रेखांकित करता है। कूटनीति और संवाद की भूमिका दर्शाता है। इसके अलावा, भारत ने लगातार संप्रभुता के सम्मान और मानवता के खिलाफ अपराधों की जांच के पक्ष में तर्क दिए, जिसमें संभवत रूसी सेना द्वारा किए गए अपराध भी शामिल हैं।

तीसरी प्रभावी घटना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में घटित हुई है। भारत लंबे समय से एक खुली, स्वतंत्र और निष्पक्ष डिजिटल व्यवस्था का हिमायती देश रहा है। हालांकि, पिछले एक दशक में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) सिलिकन वैली के पक्ष में अपने संकीर्ण लाभ के लिए दबाव डालता रहा है। मगर अमेरिकी विरोध के बावजूद भारत ऐसे उपकरणों या कंपनियों का समर्थन करना नहीं चाहता था, जो किसी जवाबदेही के बिना डाटा प्रवाह के पक्ष में हैं। भारत ऐसी बड़ी कंपनियों के पक्ष में नहीं है, जो अपने पास भारतीय डाटा का भंडारण चाहती हैं। अमेरिका भले चिढ़े, मगर भारत सीमा पार डाटा प्रवाह को प्रतिबंधित करता दिखाई दिया। अमेरिका के भुगतान और ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा की जा रही परदादारी की कोशिशों को प्रतिबंधित किया। भारत ने बड़ी टेक कंपनियों के प्रति अपने अविश्वास को नहीं छिपाया। भविष्य की डिजिटल सेवाओं को प्रतिकूल शर्तों से आजाद करते हुए भारत ने बड़े दबावों को दूर करने के बाद अब स्थानीय स्तर पर डाटा के भंडारण पर अपने रुख को आसान बना लिया है।

ऐसा होने की एक वजह यह भी है कि अमेरिका की ओर से अब भारत पर दबाव नहीं है, क्योंकि अमेरिकी प्रशासन खुद अपने यहां कंपनियों से ज्यादा जवाबदेही चाहता है और उनके अधिक नियमन के भी पक्ष में है। विशिष्ट क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण डाटा सुरक्षा की मांग करते हुए भारत विश्वसनीय भौगोलिक डाटा साझा करने की संभावनाएं टटोल रहा है। आज एक समावेशी, न्यायसंगत इंटरनेट भारत की प्राथमिकता है।

वर्ष 2021 ने भारत के चौथे ऐतिहासिक प्रभावी पल का संकेत दिया है। जलवायु सुधार पर चल रही वार्ताओं के 26वें दौर कॉप-26 में भारत ने 2070 तक उत्सर्जन को शून्य करने का लक्ष्य तय करके पृथ्वी की रक्षा के प्रति अपनी असाधारण प्रतिबद्धता दिखाई है। भारत ने स्वेच्छा से यह समय-सीमा लागू की है। हालांकि, इसका प्रति व्यक्ति उत्सर्जन कम है। भारत में प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन दो टन से भी कम है, यह अमेरिका से लगभग आठ गुना कम है। प्रधानमंत्री ने भारत के लाइफ (लाइफस्टाइल फॉर एनवायर्नमेंट) मिशन को भी लॉन्च किया। वह दुनिया के ऐसे शुरुआती नेताओं में से एक के रूप में उभरे हैं, जिन्होंने साफ तौर पर कहा कि जलवायु संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत जीवन शैली में बदलाव की जरूरत पड़ेगी और हम ऐसे बदलावों को शुरू करने के लिए कदम उठाएंगे। गौर कीजिए, इसके ठीक विपरीत परिणाम एक अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षण में कॉप-26 के समय सामने आया। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस व जर्मनी सहित 10 देशों में हुए सर्वेक्षण में पाया गया कि कुछ ही नागरिक अपनी जीवन शैली में महत्वपूर्ण बदलाव के इच्छुक हैं। 46 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना था कि उन्हें ऐसा करने की जरूरत नहीं। विडंबना है, अमेरिका में गैस स्टोव पर संभावित प्रतिबंध को लेकर तेज बहस जारी है। वहीं, अमेरिकी राजनयिकों ने विकासशील दुनिया के लिए लंबे समय से 'क्लीन कुकस्टोव' का समर्थन किया है, लेकिन लगता है, उन्हें अपने घर में स्वच्छ जलवायु संबंधी कदम उठाने में दिलचस्पी नहीं है।

एक लोकतांत्रिक और ईमानदार वार्ताकार के रूप में भारत का प्रभाव उसे अद्वितीय नैतिक अधिकार प्रदान करता है। दरअसल, 21वीं सदी के बहुपक्षवाद के लिए भारत के लोग एक बड़ी जरूरत हैं। जी-20 भारत के लिए एक आदर्श मंच हो सकता है, जिसके जरिये वह कई विकसित व विकासशील देशों के मूल विचारों को प्रभावित कर सकता है। दुनिया में मानवता को सबसे आगे रखने, पृथ्वी-अनुकूल रुख अपनाने, शांति को बढ़ावा देने, वैश्विकता के केंद्र में समानता व समावेश को शामिल करने के बारे में भारत से बहुत कुछ सीखना है। 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के अपने लोकाचार के साथ भारत राह दिखा सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पाकिस्तान के आर्थिक संकट का फिलहाल कोई हल नहीं

सुशांत सरीन

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली (संसद) ने एक धन विधेयक पारित किया है, जिसमें कर राजस्व बढ़ाने की वकालत की गई है, ताकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से करीब 1.1 अरब डॉलर का कर्ज मिल सके। मगर पाकिस्तान का मर्ज सिर्फ इस कर्ज से दूर नहीं होगा। उसे अपनी बदहाली दूर करने के लिए जून तक कम से कम सात-आठ अरब डॉलर की रकम चाहिए। वह अभी अकेला हो गया है और चीन, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे करीबी राष्ट्र भी उससे कन्नी काटने लगे हैं। हां, आईएमएफ से कर्ज मिलने के बाद संभवत मित्र देश उसकी मदद करें, जिन्होंने अभी इसलिए अपने हाथ समेट रखे हैं, क्योंकि आईएमएफ प्रोग्राम रुका हुआ है।

दिक्कत यह भी है कि आईएमएफ के कर्ज के साथ पाकिस्तान में महंगाई का तूफान आएगा और उसका आर्थिक संकट बेहिसाब बढ़ जाएगा। आईएमएफ की शर्तों में आर्थिक सुधार भी शामिल है, और जब यह लागू किया जाता है, तब पहले आर्थिक संकट गहराता है और फिर राहत मिलती है। इतना ही नहीं, तमाम वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने पाकिस्तान की रेटिंग घटा दी है, जिस कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार भी उसे कर्ज देने में हिचक रहा है। ऐसे में, अभी वहां जो महंगाई दर 30 फीसदी के करीब है, वह बढ़कर 45 प्रतिशत हो सकती है। वहां का रुपया भी लगातार गिर रहा है, और एक डॉलर की कीमत 262 रुपये हो चुकी है, जबकि खुले बाजार में (हवाला से) यह 296 रुपये में मिल रहा है। इन सबसे घरेलू बाजार में आयातित वस्तुओं की कीमतें बढ़ने का अंदेशा है। मुमकिन है कि पेट्रोल के दाम 300 रुपये के पार चले जाएं, बिजली और गैस की कीमतें भी बढ़ेंगी, जिससे महंगाई पर असर होगा और उत्पादन प्रभावित होगा। चूंकि उसके पास महज 2.9 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार बचा है, जिससे जरूरी उत्पादों का महज तीन हफ्ते तक आयात हो सकता है, इसलिए आने वाले दिनों में वहां आयात प्रभावित हो सकता है। आयात कम होने पर उत्पादन पर भी असर पड़ेगा, जिससे निर्यात कमजोर होगा। इससे विदेशी मुद्रा भंडार और घट जाएगा। कुल मिलाकर, पाकिस्तान एक गहरे चक्रव्यूह में फंस गया है।

कर्ज लेना पाकिस्तान की उतनी बड़ी समस्या नहीं है, जितनी बड़ी परेशानी है कर्ज चुकाना। उसकी देनदारी असंभव हो चली है। अगले तीन साल में उसे करीब 75-76 अरब डॉलर कर्ज की अदायगी करनी है। वहां केंद्र सरकार को जितना पैसा राजस्व से मिलता है, उससे ज्यादा रकम उसे बतौर किस्त चुकानी है। आईएमएफकी एक शर्त यह भी है कि ब्याज की मौजूदा दर 17 फीसदी से बढ़ाकर 20 फीसदी कर दी जाए। ऐसा करने से पुराने कर्ज की किस्तें भी बढ़ जाएंगी। खबर यह भी है कि कर्ज की अदायगी को पुनर्निर्धारित करने के लिए वह रॉथ्स चाइल्ड फैमिली की मदद ले सकता है। यह कंपनी उन देशों को सेवा देती है, जो कर्ज के जाल में फंसे हुए हैं। मगर कर्ज को पुनर्निर्धारित करना आसान काम नहीं, क्योंकि इसके लिए पहले कर्जदारों को मनाना होता है। पाकिस्तान का एक तिहाई विदेशी कर्ज चीन को चुकाना है, और श्रीलंका का अनुभव बताता है कि चीन कर्ज वापस लेने में कोई छूट नहीं देना चाहता। ऐसा करने पर श्रीलंका, अफ्रीका या दक्षिण अमेरिकी देश भी उससे यह मांग कर सकते हैं।

उसके लिए दूसरा विकल्प यह है कि वह खुद को दिवालिया घोषित करे और तब कर्ज के पुनर्निर्धारण की मांग करे। मगर यह भी आसान रास्ता नहीं होगा। तीसरा विकल्प, खुद को दिवालिया घोषित करने से पहले कर्ज चुकाने में रियायत की मांग करना है। मगर इससे भी उसे राहत नहीं मिलेगी, क्योंकि इसका असर वही होगा, जैसा दिवालियेपन से होता है। बस उसकी कुछ लाज बच जाएगी। जाहिर है, हालात नाजुक हैं, और यह सब उस वक्त हो रहा है, जब देश में राजनीतिक उठापटक जारी है, सांविधानिक संकट सतह पर है, आतंकवाद की नई लहर आ गई है, अंतरराष्ट्रीय पटल पर पाकिस्तान अलग-थलग पड़ गया है और अर्थव्यवस्था जमींदोज हो गई है। यह एक ऐसा भंवर है, जिससे निकलने की योजना पाकिस्तान के किसी नेता के पास शायद ही है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

इस बार भी होली पर ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार हर्बल गुलाल की चलेगी बयार

मनोज सिंह, सहायक संचालक

एक वक्त था कि बाजार में केमिकल युक्त रंग गुलाल के अलावा कुछ उपलब्ध नहीं था। हर बार होली के त्यौहार पर त्वचा संबंधी बीमारियों को लेकर लोग परेशान रहते थे। लेकिन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा गोधन न्याय योजना की शुरूआत के बाद केमिकल युक्त गुलाल अब लोगों के जीवन से दूर हो चले हैं। गोधन न्याय योजना से जुड़ी महिलाएं स्व सहायता समूहों के माध्यम से न सिर्फ वर्मी कंपोस्ट तैयार कर रही हैं बल्कि हर्बल गुलाल के उत्पादन में भी अग्रसर होकर स्वावलंबन की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। समूह की महिलाएं पालक, लालभाजी, हल्दी, जड़ी- बुटी व फूलों से हर्बल गुलाल बनाने का कार्य कर रही हैं और इसमें किसी भी तरह का केमिकल नहीं मिलाया जाता है। इसके अलावा मंदिरों एवं फूलों के बाजार से निकलने वाले पुराने फूलों की पत्तियों को सुखाकर प्रोसेसिंग यूनिट में पीसकर गुलाल तैयार किया जा रहा है। फूलों के साथ ही चुकंदर, हल्दी, आम और अमरूद की हरी पत्तियां को भी प्रोसेस कर इसमें मिलाया जाता है।

गत वर्ष हर्बल गुलाल की मांग को देखते हुए इस बार होली पर्व को लेकर बिहान समूह से जुड़ी महिलाएं हर्बल गुलाल की तैयारी में दिन रात जुटी हुयी हैं। हर्बल गुलाल की खासियत ये है कि ये पूरी तरह से केमिकल रहित होता है और इसके इस्तेमाल से कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता है। हर्बल गुलाल में रंग और महक के लिए प्राकृतिक फूलों का ही इस्तेमाल किया जाता है। बिहान समूह की महिलाओं के द्वारा स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए हर्बल गुलाल का निर्माण किया जा रहा है और इसकी मांग पूरे प्रदेश में है। महिला स्व सहायता समूह के सदस्यों की इस मेहनत से उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं और वे आर्थिक स्वावलंबन की तरफ अग्रसर हो रही हैं।

महासमुंद जिले के ग्राम पंचायत डोगरपाली की जयमाता दी समूह की सदस्य अम्बिका साहू का कहना है कि उन्होंने गत वर्ष होली में 50 किलो हर्बल गुलाल बनाया था और ये पूरा हर्बल गुलाल बिक गया था। पिछली बार की मांग को देखते हुए इस बार ज्यादा हर्बल गुलाल का उत्पादन करने का लक्ष्य है। इस गुलाल के प्रयोग से त्वचा को किसी तरह का नुकसान नहीं होता है। विहान समूह की महिलाओं का कहना है कि उनका ये भी प्रयास है कि वो लोगों को हर्बल गुलाल के फायदे को समझाएं ताकि लोग इन्हें ज्यादा से ज्यादा अपनाएं और खुशी के साथ होली का पर्व मनाएं ।

गृह युद्ध का रास्ता

म्यांमार का सैनिक अपने संरक्षण में प्राइवेट आर्मी या मिलिशिया बनाने की कोशिश में जुट गया है। इसे देश में फैले हथियारबंद विरोध को दबाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन यह साफ है कि इससे देश में गृह युद्ध की स्थिति और भीषण रूप लेगी।

म्यांमार में पहले से गृह युद्ध जैसी स्थितियां हैं। अब ऐसा लगता है कि वहां सैनिक शासकों ने इसे भड़काने की राह चुनी है। यह खबर चिंताजनक है कि म्यांमार की सेना ने सैनिक शासन के प्रति 'वफादार नागरिकों' को हथियार रखने की इजाजत देने का फैसला किया है। जाहिर है, यह सैन्य शासन के संरक्षण में प्राइवेट आर्मी या मिलिशिया बनाने की कोशिश है। अनुमान है कि इसके तहत सैनिक शासन पूर्व सैन्यकर्मियों और अपने समर्थक समुदायों को हथियारबंद करेगा। उन लोगों की सेवा सैनिक शासन विरोधी विद्रोही गुटों के साथ लड़ाई में ली जाएगी। म्यांमार के गृह मंत्रालय के मीडिया में लीक हुए एक दस्तावेज में कहा गया है कि 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को हथियार और गोलाबारूद लेकर चलने का लाइसेंस दिया जा सकता है। यह लाइसेंस उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए मिलेगा, लेकिन इस सुविधा का उन्हें उस समय तक ही लाभ मिलेगा, जब तक वे सरकार के प्रति वफादार रहेंगे। चूंकि गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस विवरण की पुष्टि कर दी है, इसलिए दस्तावेज के वास्तविक होने को लेकर कोई संदेह नहीं बचा है। प्रवक्ता ने कहा कि बहुत से नागरिक खुद ही हथियार की मांग कर रहे हैं। सेना से संबंध रखने वाले ऐसे बहुत से नागरिकों को बागी गुटों ने निशाना बनाया है। इसलिए उन लोगों को आत्मरक्षा में सक्षम बनाया जाएगा। यह खबर आने से ठीक पहले देश के 37 प्रमुख शहरों में मार्शल लॉ लागू करने की खबर आई थी। गौरतलब है कि म्यांमार में सेना ने एक फरवरी 2021 को निर्वाचित प्रतिनिधियों को जेल में डालते हुए सत्ता पर कब्जा जमा लिया था। तब से सैनिक सरकार को देश में बड़े जन विरोध का सामना करना पड़ा है। पिछले साल देश के कई हिस्सों में हथियारबंद विद्रोह फैल गया। सेना ने उसे दबाने में अपनी पूरी ताकत लगाई है, लेकिन उसे अभी तक इस दिशा में कोई खास कामयाबी नहीं मिली है। तो अब यह दूसरा रास्ता चुना गया है। लेकिन देश में गृह युद्ध और भीषण रूप लेगा, इसमें कोई शक नहीं है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेः-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

बस संचालकों के लिए अच्छी खबर

राज्य सरकार ने व्हीलबेस आधारित टैक्स किया माफ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के बस संचालकों के लिए मुख्यमंत्री भूपेश की अध्यक्षता में मंत्री परिषद की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इसके तहत वर्ष 2013 के पूर्व पंजीकृत हुए बसों से टैक्स नहीं लेने का निर्णय लिया गया है। पूर्व पंजीकृत बसों के व्हीलबेस आधारित टैक्स को माफ किया गया है। इस फैसले से प्रदेश के बस संचालक टैक्स माफी का लाभ उठा सकते हैं।

परिवहन विभाग के मुताबिक, इस निर्णय के बाद व्हील बेस के लिए जारी अधिसूचना 2013 के अधिसूचित दिनांक से ही लागू होगी। पूर्व में व्हीलबेस को लेकर कानून बनाया गया था। उस कानून के तहत उतनी बैठक क्षमता उन यात्री बसों में उपलब्ध नही थी। ऐसे बस संचालकों को 24 माह का समय दिया गया था। अधिसूचना के अनुसार अपने बस के सीटों में परिवर्तन करा लेवे फिर भी एक बार बस बन जाने के बाद पुनः बैठक क्षमता में परिवर्तन करने के लिए बस के स्वरूप में परिवर्तन कर नया सीट लगाना कठिन कार्य होता है। 2013 से पूर्व पंजीकृत बस के संचालकों को बस में कोई परिवर्तन नहीं कराना होगा और जितनी सीट बस में पंजीयन के समय था। उतने में ही टैक्स देना होगा। ऐसे बहुत से बस संचालक जिनके ऊपर व्हीलबेस का बकाया निकला है। उन्हें अब बकाया टैक्स नहीं पटाना पड़ेगा। राज्य के बस संचालकों को राहत प्राप्त होगी।

कोरोना काल में मालवाहकों का टैक्स माफ

छत्तीसगढ़ शासन ने पूर्व में भी इस प्रकार आम बस संचालकों को 2013 के पूर्व का कर माफ किया गया था, यात्री बसों के केवल 2 माह की ट्रायल की सीमा को समाप्त किया गया था। कोरोना काल में यात्री बस, स्कूल बस, सिटी बस, मालवाहकों का कर माफ किया गया था। डीजल पेट्रोल के दाम में भारी वृद्धि होने पर यात्री किराए में 25 प्रतिशत वृद्धि की गई थी। इसके अलावा समय-समय पर पुराने बस संचालको के मांग पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर ने ट्रांसपोर्टर के हित में फैसले लिए जाते रहे हैं ।

कोरोना काल में मालवाहकों का टैक्स माफ

छत्तीसगढ़ शासन ने पूर्व में भी इस प्रकार आम बस संचालकों को 2013 के पूर्व का कर माफ किया गया था, यात्री बसों के केवल 2 माह की ट्रायल की सीमा को समाप्त किया गया था। कोरोना काल में यात्री बस, स्कूल बस, सिटी बस, मालवाहकों का कर माफ किया गया था। डीजल पेट्रोल के दाम में भारी वृद्धि होने पर यात्री किराए में 25 प्रतिशत वृद्धि की गई थी। इसके अलावा समय-समय पर पुराने बस संचालको के मांग पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर ने ट्रांसपोर्टर के हित में फैसले लिए जाते रहे हैं ।

निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने फाउंडेशन की वार्षिक स्मारिका का किया विमोचन

जीई फाउंडेशन का निस्वार्थ सेवा कार्य अनुकरणीयः दासगुप्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने कहा है कि समाजसेवा के क्षेत्र में गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन के सदस्य जिस तरह लगातार निस्वार्थ सेवा कार्य कर रहे हैं, वह वास्तव में अनुकरणीय है। दासगुप्ता बुधवार 22 फरवरी की दोपहर इस्पात भवन स्थित सभागार में जीई फाउंडेशन की वार्षिक स्मारिका का विमोचन कर रहे थे।

शुरुआत में फाउंडेशन की ओर से संयोजक प्रदीप पिल्लई ने स्वागत भाषण में संगठन के कार्यों का ब्यौरा दिया और भविष्य के कार्यों की रूपरेखा रखी।

उन्होंने बताया कि फाउंडेशन के ज्यादातर सदस्य भिलाई स्टील प्लांट के कर्मी हैं और ड्यूटी के उपरांत बचे समय में समाज के निर्धन, वंचित और निशक्त समुदाय तथा बच्चों की बेहतरी के लिए अपना योगदान दे रहे हैं।

आयोजन में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों व फाउंडेशन के सदस्यों के बीच निदेशक प्रभारी दासगुप्ता ने स्मारिका का विमोचन किया।

अपने संबोधन में दासगुप्ता ने कहा कि बीएसपी की सेवा के उपरांत इस तरह समाज के लिए अपना योगदान देना निश्चित तौर पर अनुकरणीय है। उन्होंने उम्मीद जताई कि फाउंडेशन के सदस्य आगे भी बेहतर कार्य करेंगे।

इस मौके पर कार्यपालक निदेशक (मटेरियल मैनेजमेंट) एके चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (प्रोजेक्ट) एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक (वित्त) डॉ अशोक कुमार पांडा, कमांडेंट सीआईएसएफ एसके बाजपेई, फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड के जीएम (पर्सनल एंड एडमिनिस्ट्रेशन) पंकज त्यागी, आरईडी के जीएम प्रशांत शाह, आरईडी के एजीएम भरत गोयल, निदेशक प्रभारी सचिवालय में पदस्थ जीएम श्रीकांत रामाराजू व सीनियर मैनेजर वी कुमार, जीई फाउंडेशन की ओर से रावेश गुप्ता, उमेश पटेल, राहुल सरकार, गोविंद कन्नौजे व अन्य लोग मौजूद थे।

खास खबर

कलेक्टर की पहल पर दिव्यांग क्रिकेटरों को मिली क्रिकेट किट

कोरबा। कलेक्टर संजीव झा की पहल पर व्हीलचेयर क्रिकेट एसोसिएशन के दिव्यांग खिलाड़ियों को क्रिकेट किट व अन्य खेल सामग्री मिल गया है। अपर कलेक्टर प्रदीप साहू ने आज दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ियों को क्रिकेट किट का वितरण किया। पिछले दिनों जन चैपाल में पहुंचकर व्हीलचेयर क्रिकेट एसोसिएशन के दिव्यांग खिलाड़ियों ने खेल में सुविधा के लिए कलेक्टर श्री संजीव झा के समक्ष क्रिकेट किट की मांग रखी थी। इस मांग पर श्री झा ने संवेदनशीलता दिखाते हुए समाज कल्याण विभाग को निर्देशित कर खिलाड़ियों को किट व अन्य सुविधाएं जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। इसी कड़ी में दिव्यांग क्रिकेट खिलाडयों को अपर कलेक्टर श्री साहू के हाथों किट का वितरण किया गया। खिलाड़ियों को क्रिकेट किट सामाग्री के साथ बॉल, बैट, हैंड ग्लब्स, ड्रेस का वितरण किया गया।

एनपीएस-ओपीएस चयन के संबंध में कार्यशाला का हुआ आयोजन

कोरबा। एक नवंबर 2004 से 31 मार्च 2022 के बीच नियुक्त शासकीय सेवकों/नॉमिनी (मृत्यु के प्रकरणों में) के लिए ओपीएस लागू होने के कारण एनपीएस अथवा ओपीएस में रहने के लिए विकल्प चयन जारी है। अधिकारी-कर्मचारियों को ओपीएस या एनपीएस विकल्प चयन प्राप्त कर डीडीओ द्वारा कार्मिक संपदा में अपलोड/वेरिफिकेशन की कार्यवाही 24 फरवरी तक किया जाना है। कलेक्टर श्री संजीव झा के निर्देशानुसार इस संबंध में सभी आहरण संवितरण अधिकारियों तथा संबंधित लिपिको हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाने बाबत् एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला कलेक्टोरेट के सभा कक्ष में आयोजित की गई। जिला कोषालय अधिकारी द्वारा कार्यशाला में उपस्थित डीडीओ एवं लिपिकों को ओपीएस और एनपीएस के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रशासन तुंहर अभियानः शिविरों से मौके पर ही समस्याओं का हुआ समाधान

शिविरों में राजस्व के साथ ही अन्य विभागों के भी लिये गये आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। लोगों को अपनी समस्या के समाधान के लिए तहसील कार्यालयों तक आने की जरूरत कम से कम हो, मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप दुर्ग जिले में इसके लिए प्रशासन तुंहर द्वार अभियान अंतर्गत गांव-गांव राजस्व शिविर लगाये जा रहे हैं। शिविरों में ग्रामीणों की राजस्व संबंधी समस्याओं के अलावा दूसरे विभागों से संबंधित समस्याएं भी ली जा रही हैं जिनका मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है।

कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र कुमार मीणा हर सप्ताह ली जाने वाली बैठकों में राजस्व शिविरों में आये प्रकरणों की समीक्षा कर रहे हैं। इस सप्ताह भी उन्होंने राजस्व शिविरों की समीक्षा की। धमधा एसडीएम श्री बृजेश क्षत्रिय ने बताया कि उनके यहां 119 गांवों में राजस्व शिविरों का आयोजन हुआ। शिविर में राजस्व संबंधी प्रकरण रखे ही गये, दूसरे विभागों के आवेदन भी लिये गये।

धमधा डिविजन के तहसीलों में इन शिविरों के माध्यम से 584 आवेदन आये, इनमें 326 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। 228 प्रकरणों की प्रकृति न्यायालयीन थी अतएव इन्हें राजस्व न्यायालय में दर्ज कर लिया गया है।

श्री क्षत्रिय ने बताया कि इसके अलावा अन्य विभागों के आवेदनों को मिलाकर इन शिविरों में कुल 886 आवेदन आये, इनमें 569 आवेदनों को मौके पर ही निराकृत कर दिया गया और 317 आवेदनों को विभाग निराकृत कर रहे हैं। पाटन डिविजन में 142 गांवों में ऐसे शिविरों का आयोजन किया गया। इनमें 1450 आवेदन आये और 1450 आवेदनों का अब तक निराकरण किया जा चुका है। दुर्ग डिविजन में भी प्रकरणों का निराकरण जारी है। उल्लेखनीय है कि राजस्व शिविरों में सबसे ज्यादा आवेदन आय प्रमाणपत्र को एवं जाति प्रमाणपत्र को लेकर आ रहे हैं। इसके अलावा अविवादित नामांतरण के प्रकरण और ऋण पुस्तिका जमा करने संबंधी आवेदन भी आ रहे हैं।

राजस्व शिविरों में जो अन्य विभागों के आवेदन आ रहे हैं उनमें राशन कार्ड, पेंशन और आयुष्मान कार्ड के लिए आवेदन आ रहे हैं। प्रशासन तुंहर द्वार अभियान के चलते अमले के मौके पर ही पहुंचने से ग्रामीणों की दिक्कत अविलंब दूर हो रही है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर ने ग्रामीण सचिवालय में भी निर्धारित दिनों में स्थानीय अमले को बैठने एवं यहां जनसमस्याओं से संबंधित आवेदन लेने कहा है। ग्रामीण सचिवालयों में भी बड़ी संख्या में आवेदन आ रहे हैं। इन सभी आवेदनों के निराकरण के लिए अविलंब कार्रवाई की जा रही है और निराकृत आवेदनों की प्रकृति की गुणवत्ता की समीक्षा निरंतर जारी है।

स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध संसाधनों का पूर्ण उपयोग कर बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें-कलेक्टर

जिले में पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष मलेरिया के केस में 40.43 प्रतिशत की आई कमी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कलेक्टर जनमेजय महोबे की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर महोबे ने स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने मातृत्व स्वास्थ्य कार्यक्रम, शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, परिवार कल्याण कार्यक्रम सहित सभी संचारी रोग एवं गैर संचारी रोग कार्यक्रमों की जानकारी ली और विशेष कार्ययोजना तैयार कर उचित क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग लगातार अच्छा कार्य कर रही है आगे और प्रगति लाने की जरूरत है। स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध संसाधनों का पूर्ण उपयोग करते हुए सभी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही अस्पतालों में दवाई की पर्याप्त उपलब्धता रहे। उन्होने कहा कि शासन द्वारा सस्ती दवाई उपलब्ध कराने धनवंतरी मेडिकल स्टोर प्रारंभ किया गया है। सभी डॉक्टर को धनवंतरी मेडिकल में उपलब्ध दवाइयों को प्राथमिकता से लिखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कवर्धा जिला में विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति निवास करते है। उनके लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल, सीएमएचओ डॉ सुजॉय मुखर्जी उपस्थिति थे।

कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि जिले में कुपोषण को दूर करना प्रमुख लक्ष्य है। इसके लिए कार्य करने की जरूरत है। मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के तहत अनेक कार्यक्रम संचालित किए जा रहे है। उन्होंने जिले में संचालित एनआरसी की समीक्षा करते हुए कहा कि इसमें प्रगति लाने की जरूरत है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के डीपीओ व सीडीपीओ को एनआरसी की बेड ऑक्यूपेंसी में वृद्धि के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पंडरिया और बोड़ला विकासखंड के वनांचल क्षेत्रों में सीडीपीओ और सुपरवाइजर दौरा कर एनआरसी जरूरत वालों माताओं और बच्चों का चिन्हांकित करें और उनसे समन्वय स्थापित कर एनआरसी में लाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के निरीक्षण के दौरान देखा गया है कि बच्चे की उपस्थिति कम होती है। सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में शत प्रतिशत बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करें। इसके लिए गृह भेंट कार्यक्रम करने के निर्देश दिए।

जिले के किसानों को मिले उन्नत खेती का लाभ : ऋचा प्रकाश चौधरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चाम्पा कृषि प्रधान जिला है, इसलिए जिले के किसानों को धान के अलावा अन्य लाभदायक फसलों के उत्पादन से जोड़कर उन्हें प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। कृषि विज्ञान केंद्र में कृषि वैज्ञानिकों की खोज और उनकी सलाह किसानों के लिए आर्थिक समृद्धि का कारण बन सकती है।

इसलिए किसानों को समय-समय पर भ्रमण के साथ उनका प्रोत्साहन जरूरी है। कुछ ऐसे ही निर्देशों के साथ कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज कृषि विज्ञान केंद्र जर्वे में जाकर कृषि वैज्ञानिकों को जिले के किसानों के हित में काम करने कहा।

कृषि विज्ञान केंद्र में भ्रमण के दौरान कलेक्टर सुश्री चौधरी ने विभिन्न प्रदर्शन इकाइयों का अवलोकन किया। उन्होंने पॉली हाउस का भ्रमण कर उच्चतम मूल्य की उद्यानिकी फसलों के साथ चने, सरसों व गेहूं की फसल और मशरूम बीज उत्पादन प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने प्रगतिशील कृषको/एफपीओ के सदस्यों को शेड नेट, पॉलीहाउस में खेती कराने के लिए प्रोत्साहित करने तथा जिले के किसानों को यहां ली जा रही फसलों से रू-ब-रू कराते हुए उन्नत खेती से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने मखाना की खेती से लाभ और उत्पादन की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए इसे बढ़ावा देने तथा कृषि कॉलेज के छात्रों, पढ़ाई छोड़ चुके युवाओं का समूह बनाकर कृषि उद्यामिता को बढ़ावा देने के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर सुश्री चौधरी ने जिले में कृषि अभियांत्रिकी को बढ़ावा देने हेतु कृषि विज्ञान केंद्र को कस्टम हायरिंग खोलने, मनरेगा की सहायता से डेयरी इकाई व विभिन्न संरचनाओं के निर्माण कार्य कराए जाने हेतु प्लान प्रस्तुत करने की बात कहते हुए विकासखंडों के एक गौठान में समन्वित कृषि प्रणाली अंतर्गत कार्य करने के निर्देश दिए।

आवश्यकता है
लड़के एवं लड़कियों की
वेतन चार अंकों में
भिलाई मसाला उद्योग
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

खास खबर...

माध्यमिक शिक्षा मंडलः हेल्पलाईन द्वारा छात्र-छात्राओं की समस्याओं का किया जा रहा समाधान

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की हेल्पलाईन के टोल फ्री नंबर 18002334363 पर रविवार और शासकीय अवकाश के दिनों को छोड़कर प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से 5 बजे तक दो पालियों में निरंतर विद्यार्थियों, पालकों और शिक्षकों द्वारा अपनी समस्याएं बताई जा रही हैं। जिसका मंडल द्वारा त्वरित समाधान किया जा रहा है। समस्या समाधान के तहत 22 फरवरी को 90 फोन काल हेल्पलाईन टोल फ्री नंबर पर आए। हेल्पलाईन में 22 फरवरी को मनोवैज्ञानिक मनीषा वर्मा और मोनिका साहू द्वारा संबंधित समस्याओं का निराकरण किया गया। मोनिका साहू विद्यार्थियों के लिए सुबह जल्द उठकर अध्ययन करने, प्राणायाम करने और अधिक समय तक लगातार पढ़ने की अपेक्षा बीच-बीच में कुछ समय विश्राम लेकर पढ़ाई करने की सलाह दी गई। साथ ही मंडल के उप सचिव जेके अग्रवाल, सहायक प्राध्यापक अनिता सौंधी, प्रीति शुक्ला एवं राजेन्द्र दुबे विद्यार्थियों द्वारा पूछी गई समस्याओं का समाधान किया।

12 वर्ष से कम उम्र के बच्चो को हज-2023 की अनुमति नहीं-मोहम्मद असलम खान

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मोहम्मद असलम खान ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया मुंबई के सर्कुलर क्रमांक 2 से प्राप्त सूचना अनुसार सऊदी अरब सरकार द्वारा 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को हज-2023 की अनुमति नही दिया जाना निर्धारित किया गया है। अतः हज-2023 के लिए अब 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को जाने की अनुमति नहीं होगी। अब तक आवेदन किए ऐसे बच्चों के आवेदन निरस्त किए जाने के निर्देश हज कमेटी ऑफ इंडिया मुंबई द्वारा सर्कुलर 2 में दिए गए हैं।

रायपुर के इस इलाके में भारी मालवाहक वाहनों के आवागमन पर लगा प्रतिबंध

रायपुर (ए)। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने जनसुरक्षा के दृष्टिकोण से अग्रसेन धाम-व्ही.डब्ल्यू केन्यान होटल-व्ही.आई.पी रोड-ग्राम फुंडहर-देवपुरी मार्ग में मध्यम एवं भारी मालवाहक वाहनों के आवागमन को सुबह 6 बजे से रात्रि 11 बजे तक के लिए प्रतिबंधित करने का आदेश जारी किया है। व्हीआईपी रोड किनारे स्थित काफी संख्या में होटल-मैरिज पैलेसों में कार्यक्रमों के आयोजनों पर वाहनों का आवागमन होने से एवं एयरपोर्ट आवागमन करने वाले वाहनों के आवागमन से उक्त मार्ग में यातायात का दबाव बना रहता है। जिससे भारी वाहनों के आवागमन पर दुर्घटना की संभावना बनी रहेगी।

स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने ब्लड बैंक, हमर लैब व ओटी सेवाओं के उपकरणों के लिए पुनरीक्षित प्रस्ताव भेजने के दिए निर्देश

स्वास्थ्य मंत्री ने वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों की ली बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर जिलों में ब्लड बैंक, हमर लैब और ओटी सेवाओं के उपकरणों के लिए पुनरीक्षित प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने अपने निवास कार्यालय में आयोजित बैठक में डीकेएस अस्पताल में सुपरस्पेशिलस्ट्स और अन्य डॉक्टरों को इंसेंटिव प्रदान करने के लिए अस्पताल प्रबंधन को शासन को प्रस्ताव भेजने को कहा। स्वास्थ्य विभाग के सचिव प्रसन्ना आर., स्वास्थ्य सेवाओं के संचालक भीम सिंह और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संचालक भोसकर विलास संदिपान भी बैठक में मौजूद थे।

स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव ने चीफ मिनिस्टर पब्लिक हेल्थ ट्रांसफारमेशन फण्ड में वर्तमान में उपलब्ध राशि और आगामी वित्तीय वर्ष 2023-24 में दिसम्बर माह तक प्राप्त होने वाली अनुमानित राशि से कार्य स्वीकृति के लिए प्रस्ताव तैयार कर अधिशासी समिति की अगली बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलों में ओटी सेवाओं को मजबूत करने अधोसंरचना और उपकरणों की उपलब्धता का विश्लेषण कर जरुरी निर्माण कार्यों एवं उपकरणों का प्रस्ताव अनुमोदन के लिए चीफ मिनिस्टर पब्लिक हेल्थ ट्रांसफारमेशन फण्ड की आगामी बैठक में रखने को कहा।

श्री सिंहदेव ने जनवरी-2022 में ब्लड बैंक, हमर लैब और ओटी सेवाओं के उपकरणों के लिए अनुमोदित गतिविधियों में उपकरणों की वर्तमान जरुरतों को ब्लड बैंक, हमर लैब व स्टोर के संबंधित नोडल अधिकारियों के माध्यम से जिले से वेरिफाई करवाकर वर्तमान आवश्यकता के अनुसार पुनरीक्षित प्रस्ताव भेजने के भी निर्देश दिए।

एआई और वर्चुअल लर्निंग से नर्सिंग शिक्षा को समृद्ध बनाने की आवश्यकता

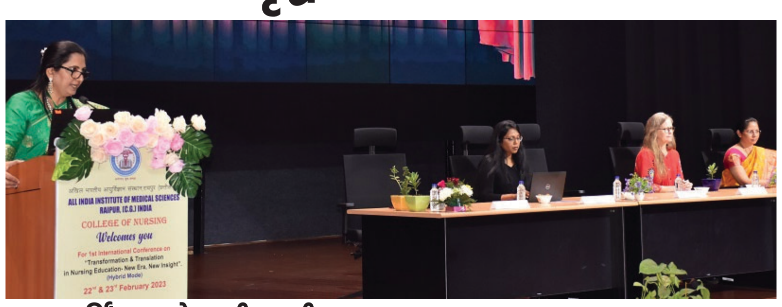

एम्स नर्सिंग कालेज की पहली अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में रोगियों की देखभाल और सतत् शिक्षा पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर (ए)। नर्सिंग अधिकारियों और छात्रों के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के तत्वावधान में पहली अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस बुधवार से प्रारंभ हुई। इसमें देश-विदेश के विशेषज्ञों ने दुनियाभर में नर्सिंग शिक्षा में हो रहे बदलावों पर चर्चा करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और वर्चुअल लर्निंग को नर्सिंग शिक्षा में शामिल करने पर जोर दिया। विशेषज्ञों ने स्टीमुलेशन लैब को छात्रों के लिए बहु-उपयोगी बताते हुए नई तकनीक के अधिक से अधिक उपयोग की आवश्यकता बताई।

एम्स भुवनेश्वर के नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डॉ. आशा पी. शेट्टी ने रिफ्लेक्टिव लर्निंग और जिगशॉ तकनीक के माध्यम से नर्सिंग छात्रों को पढ़ाने पर जोर दिया। इसके अंतर्गत कार्य करने के दौरान अपने अनुभवों से सीखने, चुनौतियों का सामना करने के लिए स्वयं को तैयार करने और गलतियों में सदैव सुधार करने पर जोर दिया गया। उन्होंने ग्रुप लर्निंग में जिगशॉ तकनीक को काफी कारगर बताते हुए नर्सिंग शिक्षा में इसके उपयोग पर जोर दिया।

इसके साथ ही विभिन्न विशेषज्ञों ने नई तकनीक के नर्सिंग शिक्षा में बढ़ते अनुप्रयोगों के बारे में भी जानकारी दी। कांफ्रेंस का समापन 23 जनवरी को होगा। इसमें अमेरिका सहित भारत के विभिन्न प्रदेशों से प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। कांफ्रेंस के आयोजन में प्रिंसिपल डॉ. बीनू मैथ्यू, डॉ. जे. जयारिका, वनिथा एस., वीना वर्मा, जॉयस जोसफ और सुगन्या पी. ने योगदान दिया।

मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजनाः 5 एकड़ में वृक्षारोपण करने पर मिलेगा शत् प्रतिशत अनुदान

भूमिधारकों को होगी 15 से 50 हजार रूपए तक की आमदनी

योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए कार्यशाला सम्पन्न

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में निजी भूमि पर व्यावसायिक उद्देश्य से वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना लागू की गई है। इससे राज्य में काष्ठ आधारित उद्योग लगेंगे। वहीं आय के साथ-साथ ग्रामीणों को रोजगार और आजीविका के साधन भी मिलेंगे। इस योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए वन विभाग से जुड़े अधिकारियों के लिए राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना में निजी भूमि पर वृक्षारोपण के लिए इच्छुक एवं पात्र हितग्राहियों को 5 एकड़ भूमि में वृक्षारोपण करने के लिए शत् प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। इसी प्रकार 5 एकड़ से अधिक भूमि होने पर 50 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यशाला में यह भी जानकारी दी गई कि वृक्षों से अधिक मात्रा में काष्ठ की पैदावार को सुनिश्चित करने के लिए प्रति एकड़ 1000 एवं अधिकतम 5000 पौधे के रोपण करना उपयुक्त होगा। इससे निजी भूमि पर वृक्षारोपण करने वाले भूमिधारकों को प्रतिवर्ष 15 से 50 हजार रूपए प्रति एकड़ तक की आमदनी होगी।

संस्थाओं को मिलेगा 50 प्रतिशत अनुदान

मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना में निजी शिक्षण संस्थाएं, निजी ट्रस्ट, पंचायते भूमि अनुबंध धारक, गैर शासकीय संस्थाओं को अपने भूमि में रोपण कराने पर 50 प्रतिशत अनुदान की प्राथमिकता होगी। इन संस्थाओं को शेष राशि स्वयं वहन करना होगा। निजी भूमिधारकों, संस्थाएं वृक्षारोपण की तैयारी के लिए दिए जा रहे अनुदान राशि से क्षेत्र तैयारी, गड्डा खुदाई, रोपण निदाई गुडाई आदि करा सकेंगे। वृक्षारोपण उपरांत वृक्षों के काष्ठ विक्रय के लिए निजी भूमिधारकों, शासकीय अथवा निजी संस्थाओं को ट्रायो एग्रीमेंट करना होगा।

इन पौधों का होगा रोपण

योजना अंतर्गत रोपण किये जाने वाले टिशू कल्चर सागौन, चंदन, क्लोनल नीलगिरी, मिलिया डुबिया, टिशू कल्चर बांस व अन्य उपयोगी प्रजाति के पौधों के रोपण किया जाएगा। कार्यशाला में योजना के इच्छुक निजी भूमिधारकों और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों को योजना के प्रावधानों सहित इस संबंध में उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। कार्यशाला में वृक्षारोपण विशेषज्ञ प्रेमलाल जैन, उद्योगपति, टिम्बर मर्चेन्ट, भूमि-स्वामी कृषक, एनजीओ कलेक्टर रायपुर सहित नगर निगम और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यशाला में निजी भूमिधारकों और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों से अधिक से अधिक मात्रा में वृक्षारोपण कर इस योजना का लाभ उठाने का आग्रह किया गया। कार्यशाला में वृक्षारोपण के लिए इच्छुक भूमिधारकों और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपनी उपलब्ध भूमि में वृक्षारोपण किये जाने की इच्छा जतायी।

आज का प्रेम केवल दिखावे और स्वार्थ का हैः शंभूशरण लाटा

थोड़ा से ज्ञान आने पर लोग अपने को भगवान मानने लगें

रायपुर (ए)। मनु और सतरूपा की तपस्या रावण की शिव भक्ति भगवान के प्रति उनका समर्पण और विश्वास के दृष्टांत का वर्णन करते हुए संत शंभूशरण लाटा ने कहा कि जीवन में तपस्या इस प्रकार से करनी चाहिये कि भगवान साक्षात प्रकट हो जाये और वरदान के मांगने पर स्वंय को भी मांगने की बात कहते हैं। ऐसा केवल भगवान ही कर सकते है दूसरा अन्य कोई नहीं। भगवान की कथा और लीला को समझने के लिये बार -बार उसका श्रवण करना पड़ता है उसे जीवन में आत्मसात करना होता है और उसे अपने चरित्र में उतारना पड़ता है तभी भगवान की कथा समझ में आ सकती है। परमात्मा केवल एक ही है वह अपनने भक्तों की रीति और प्रीति के अनुरूप अपना रूप बदले लेते हैं शिव भक्तों के लिये वे शिव राम भक्तों के राम और कृष्ण भक्त के लिये वे भगवान कृष्ण का अवतार लेते हैं। उन्होंने कहा कि चमत्कार होते हैं लेकिन उसके लिये वैसी सिद्धी साधना करनी पड़ती है वर्तमान समय में थोड़ा सा चमत्कार दिखा कर स्वंय को भगवान के रूप में महिमा मंडित करने लगते हैं। शंभूशरण लाटा ने कहा कि रावण से बड़ा कोई शिव भक्त, उसके जैसा विद्वान, तपस्वी कोई दूसरा नहीं हो सकता लेकिन यह सब प्राप्त करने के बावजूद उसने उसका उपयोग धर्म की स्थापना करने के बजाए अधर्म में किया। उसके राज में भ्रष्टाचार से लेकर न जाने कितने प्रकार के अपराध होने लगे। वह स्वयं को भगवान मान बैठा है और इसलिए अपनी जगह वह किसी और को पुजने नहीं देता था। उसके पापों के भार से धरती भी कांपने लगी थी, ऐसे में भगवान को भी उसका वध करने के लिए मनुष्य अवतार लेना पड़ा। मनुष्य अवतार का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य रुप में ही जो कार्य संभव हो सकते है वह भगवान से भी संभव नहीं हो सकते इसलिए उन्हें मनुष्य का अवतार लेना पड़ा।

छत्तीसगढ़ में मसाला एवं सगंध फसलों की संभावनाओं एवं क्षमताओ पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

कुलपति डॉ. चंदेल ने किया कार्यशाला के ब्रोशर का विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, सरकंडा, बिलासपुर में 14 एवं 15 मार्च, 2023 को ''मसाला एवं सगंध फसलें-छत्तीसगढ़ में संभावनाएं एवं क्षमताएं'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा सुपारी एवं मसाला अनुसंधान संस्थान, कालीकट, केरल, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), रायपुर, उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी निदेशालय, रायपुर तथा छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर के सहयोग से किया जा रहा है।

इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के विषय विशेषज्ञ शामिल होंगे तथा छत्तीसगढ़ में मसाला एवं सगंध फसलों के उत्पादन की संभावनाओं एवं क्षमताओं के संबंध में विचार-विमर्श करेंगे। इस अवसर पर मसाला एवं सगंध फसलों के उत्पादन, प्रसंस्करण तथा मूल्य संवर्धन तकनीकों पर प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा। इस कार्यशाला के ब्रोशर का विमोचन आज इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल द्वारा कुलपति सचिवालय कक्ष में किया गया। इस अवसर पर संचालक अनुसंधान डॉ. विवेक त्रिपाठी, निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ. एस.एस. टुटेजा, आयोजन सचिव, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, बिलासपुर डॉ. आर.के.एस. तिवारी, कार्यक्रम के सह-संयोजक डॉ. पी.के. जोशी तथा डॉ. यमन कुमार देवांगन उपस्थित थे।

इस दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान हल्दी, अदरक, काली मिर्च, हरी मिर्च, इलायची, दालचीनी, लौंग, धनियां, मेथी, लहसुन, सौंफ, जीरा आदि मसाला फसलों तथा लेमन ग्रास, सेट्रोनेला, पचौली, मोनार्डा, तुलसी, खस, गेंदा, गुलाब, चमेली, चंदन आदि सगंध एवं औषधीय फसलों के छत्तीसगढ़ में उत्पादन की संभावनाओं एवं क्षमताओं के संबंध में गहन विचार-विमर्श किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ में लगभग 9 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सगंध एवं औषधीय फसलों की खेती की जा रही है, जिनसे 60 हजार मेट्रिक टन से अधिक उत्पादन प्राप्त हो रहा है। राज्य की प्रमुख मसाला फसलें अदरक, लहसुन, हल्दी, धनिया एवं मेथी हैं। प्रदेश में लगभग एक लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में मसाला फसलों की खेती की जा रही है, जिनसे लगभग 7 लाख मेट्रिक टन उत्पादन मिल रहा है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंगत संचालित विभिन्न केन्द्रों द्वारा मसाला एवं सगंध फसलां पर अनुसंधान किया जा रहा है। यहां इन फसलां पर दो अखिल भारतीय समन्वित विकास परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिसके अंतर्गत रायपुर केन्द्र में वर्ष 2010 से अखिल भारतीय औषधीय एवं सगंध फसलें समन्वित विकास परियोजना तथा रायगढ़ केन्द्र में वर्ष 1995-96 ये अखिल भारतीय मसाला फसलें समन्वित विकास परियोजना संचालित की जा रही है। इन दोनों परियोजनाओं के अंतर्गत इन फसलों की अनेक नवीन उन्नत किस्में तथा उत्पादन की उन्नत प्रौद्योगिकी विकसित की गई है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

गैस्ट्राइटिस: ये है इसके कारण, लक्षण और इलाज

गैस्ट्राइटिस पेट की परत में होने वाली सूजन को कहा जाता है और यह दो प्रकार (एक्यूट और इरोसिव) की होती है। एक्यूट में अचानक और गंभीर सूजन शामिल है, जबकि इरोसिव गैस्ट्राइटिस स्थिति का एक सामान्य रूप है। हालांकि, अगर समय रहते इसका उपचार न किया जाए तो स्थिति गंभीर हो सकती है। आइए आज हम आपको इस बीमारी के कारण, लक्षण और इलाज के बारे में बताते हैं।

गैस्ट्राइटिस के कारण

लंबे समय तक शराब का सेवन पेट की परत में सूजन पैदा कर सकता है। ऑटोइम्यून रोग भी पेट की परत में स्वस्थ कोशिकाओं पर हमला करके सूजन का कारण बन सकते हैं। एच पाइलोरी बैक्टीरिया और पेट में अल्सर भी गैस्ट्राइटिस का मुख्य कारण है। नॉनस्टेरॉइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी दवा या कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स का लगातार सेवन भी पेट की परत को नुकसान पहुंचा सकता है। गंभीर बीमारी या चोट से भी गैस्ट्राइटिस हो सकता है।

गैस्ट्राइटिस से जुड़े लक्षण

गैस्ट्राइटिस वाले कई लोगों में लक्षण नहीं होते हैं और जिन लोगों में लक्षण होते हैं, वे अक्सर उन्हें अपच समझ लेते हैं। ब्लोटिंग, जी मिचलाना, बार-बार पेट खराब होना, पेट में दर्द, उल्टी, खट्टी डकार, पेट में जलन, हिचकी और भूख में कमी गैस्ट्राइटिस के मुख्य लक्षण हैं। इसके अलावा पसीना, दिल की धड़कन का तेज होना, बेहोशी या सांस की कमी और सीने में दर्द भी इस बीमारी के लक्षण हो सकते हैं।

गैस्ट्राइटिस और अपच में क्या अंतर है?

अमूनन लोग गैस्ट्राइटिस को अपच समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। इसके लक्षण अपच से मिलते-जुलते होते हैं, लेकिन दोनों ही अलग हैं। अपच भोजन को पचाने में कठिनाई होने से जुड़ी समस्या है, जिसके कारण पेट में दर्द या बेचैनी होती है। यह आपकी निचली पसलियों के बीच जलन भी पैदा कर सकती है। वहीं गैस्ट्राइटिस पेट की परत में होने वाली सूजन है, जो गंभीर रोग का कारण बन सकती है।

गैस्ट्राइटिस का इलाज

गैस्ट्राइटिस के लिए उपचार कारण के आधार पर भिन्न होता है। कुछ दवाएं इस स्थिति के प्रभाव को कम करने में मदद कर सकती हैं, लेकिन डॉक्टरी सलाह के बाद ही उनका सेवन करें। एंटीबायोटिक्स- एंटीबायोटिक्स दवा गैस्ट्राइटिस का इलाज कर सकती हैं। एंटासिड- कैल्शियम कार्बोनेट दवाएं पेट के एसिड को कम करके सूजन को दूर करने में मदद कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त जीवनशैली में कुछ सुधार करके भी इस बीमारी के प्रभाव को कम किया जा सकता है।

केले से तैयार ये 5 हेयर मास्क बन सकते हैं बालों की कई समस्याओं का इलाज

केला आवश्यक विटामिन, मैग्नीशियम, पोटैशियम और सिलिकॉन का बेहतरीन स्रोत है, जो इसे बालों की देखभाल के लिए आदर्श फल बनाते हैं। इसमें मौजूद सिलिकॉन यौगिक स्कैल्प को मॉइस्चराइज करके बालों को मजबूती देने और चमकदार बनाने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त यह डैंड्रफ को दूर रखने में मददगार हो सकता है। आइए आज हम आपको पांच तरह के केले के मास्क बनाने के तरीके बताते हैं, जिनका इस्तेमाल बालों के लिए फायदेमंद है।

केले और एवोकाडो का हेयर मास्क

यह हेयर मास्क रूखे बालों के लिए आदर्श है। इसमें मौजूद उच्च स्तर का प्रोटीन बालों को नमीयुक्त बनाए रखने के साथ उनके विकास के लिए महत्वपूर्ण है। लाभ के लिए आधे पके एवोकाडो, एक पका केला और दो चम्मच नारियल तेल मिक्सी में डालकर पीसें। इसके बाद अपने साफ बालों में मास्क लगाकर शॉवर कैप लगाएं और 30 मिनट के बाद सिर को गुनगुने पानी से धो लें। इसके बाद सिर को शैंपू से साफ करें।

केले और जैतून के तेल का हेयर मास्क

जैतून के तेल में मौजूद मॉइस्चराइजिंग गुण बालों का झड़ना और दोमुंहे बालों को कम करने में मदद कर सकते हैं। हेयर मास्क बनाने के लिए एक पके केले का पेस्ट और दो बड़ी चम्मच जैतून के तेल को आपस में मिलाकर अपने बालों की जड़ों में लगाएं। अब अपने बालों को एक ढीले जूड़े में बांध लें। 30 मिनट के बाद अपने सिर को ठंडे पानी और शैंपू से साफ कर लें।

केले और शहद का हेयर मास्क

यह हेयर मास्क पतले बालों के लिए आदर्श है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण बालों को मजबूती दे सकता है। लाभ के लिए एक पके केले को कटोरी में अच्छी तरह मैश करें और फिर इसमें आधा चम्मच शहद मिलाएं। अब अपने बालों को सेक्शन में बांटकर हेयर मास्क को जड़ों से सिरों तक लगाएं। इसके बाद सिर को शॉवर कैप से ढक लें। 20-30 मिनट के बाद सिर को गुनगुने पानी और शैंपू से साफ कर लें।

केले और एलोवेरा का हेयर मास्क

एलोवेरा में मौजूद विटामिन- ए, बी, सी और ई डैंड्रफ से बचाने के साथ बालों के प्राकृतिक रंग को बढ़ाने में मदद करता है। हेयर मास्क के लिए दो पके केले और ताजा एलोवेरा का गूदा मिक्सी में डालकर बारीक पीसें। इस मिश्रण को साफ सिर पर अच्छे से लगाएं। अब सिर को शॉवर कैप से ढक लें। दो घंटे के बाद बालों को ठंडे पानी से धो लें और अच्छी तरह शैंपू कर लें।

गाजर और केले का हेयर मास्क

यह हेयर मास्क बालों के विकास को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए एक पके केले का पेस्ट, एक गाजर का पेस्ट, दो बड़ी चम्मच शहद और एक बड़ी चम्मच जैतून का तेल मिलाकर इस मास्क को स्कैल्प और बालों की पूरी लंबाई पर लगाएं। 45 मिनट के बाद सिर को ठंडे पानी से धो लें और इसके बाद हल्के शैंपू से सिर को साफ कर लें।

स्प्लिट्सविला 14 की विनर साउंडूस मौफकीर, जिनकी फोटोज ने बनाया सबको दीवाना

मोरक्को-फ्रांसीसी मॉडल साउंडूस मौफकीर ने हाल ही में स्प्लिट्सविला 14 जीता है। हामिद बार्कजी के साथ स्प्लिट्सविला 14 जीतने के बाद साउंडूस मौफकीर की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। साउंडूस मौफकीर इंस्टाग्राम पर एक्टिव रहती हैं। मोरक्को-फ्रांसीसी मॉडल साउंडूस मौफकीर की तस्वीरें इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। साउंडूस मौफकीर ने हाल ही में दिल्ली के हामिद बार्कजी के साथ स्प्लिट्सविला 14 जीता और वह अपनी जीत से काफी खुश हैं।

साउंडूस मौफकीर ने स्प्लिट्सविला 14 जीतने के बाद कहा था, यह मेरे लिए एक रोलरकोस्टर जर्नी थी। मैं शो जीतकर बहुत खुश हूं। मैंने इससे पहले रोडीज की थी और वह बहुत अलग थी। साउंडूस मौफकीर मोरक्को की रहने वाली हैं और एक्ट्रेस बनने के लिए 2021 में भारत आई थीं। भारत आने के बाद साउंडूस मौफकीर ने रोडीज में हिस्सा लिया था, जिसके बाद उन्होंने स्प्लिट्सविला में हिस्सा लिया। अपने अब तक के सफर के बारे में बात करते हुए साउंडूस मौफकीर कहती हैं, मैं मोरक्को में रह रही थी और फिर पढ़ाई के लिए पेरिस चली गई। मेरे माता-पिता चाहते थे कि मैं पेरिस में नौकरी कर लूं, लेकिन मैं एक अभिनेत्री बनना चाहती थी। इसलिए मैं भारत आ गई। 2021 मेरे सपने को पूरा करने के लिए। अपनी एक्टिंग की प्लानिंग के बारे में बात करते हुए साउंडूस मौफकीर कहती हैं, मैं यहां एक एक्ट्रेस के रूप में रहने और इस उद्योग में काम करने के लिए हूं। मैंने एक फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है और अब मैं और काम की तलाश में हूं। मैं केवल एक ही काम नहीं करना चाहती हूं। साउंडूस मौफकीर ने कहा, मैं रियलिटी शो करके कई अन्य लोगों की तरह गायब नहीं होना चाहती हूं। मैं यहां रहना चाहती हूं और एक एक्ट्रेस के रूप में काम करना चाहती हूं। स्प्लिट्सविला 14 में साउंडूस मौफकीर और हामिद बार्कजी एक साथ थे, अब उनसे पूछें कि क्या दोनों रिलेशनशिप में हैं तो वह कहती हैं, ईमानदारी से कहूं तो हम एक-दूसरे को डेट नहीं कर रहे हैं। डेट नहीं करते लेकिन हम एक-दूसरे में एक कनेक्शन ढूंढते हैं और उसके बाद यह हम पर छोड़ दिया जाता है कि हम आगे डेट करना चाहते हैं या नहीं। क्योंकि शो लगभग 50 दिनों का है और कोई भी यह तय नहीं कर सकता है कि कोई डेट करना चाहता है या नहीं। एक रियलिटी शो में प्यार मिलना मुश्किल है। साउंडूस मौफकीर मोरक्को में भी एक मॉडल थी। साउंडूस मौफकीर हमेशा से मॉडल बनना चाहती थीं। साउंडूस मौफकीर कैपरीज और सॉफ्ट लाइन जैसे ब्रांडों के साथ काम भी करती हैं।

हेरा फेरी 3 के सेट से सामने आई पहली तस्वीर, दिखी बाबूराम-श्याम और राजू की झलक

तमाम अफवाहों को दरकिनार करते हुए फिल्म निर्माता फिरोज नडियाडवाला ने अपनी सफल फ्रेंचाइजी हेराफेरी के तीसरे भाग के लिए अक्षय कुमार को अपने साथ जोडने् में सफलता प्राप्त कर ली और बीते दिन से इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई। पहले कहा जा रहा था हेरा फेरी के 3रे भाग में अक्षय कुमार के स्थान पर कार्तिक आर्यन नजर आएंगे। चर्चाएं थीं कि अक्षय कुमार को हेरा फेरी-3 की स्क्रिप्ट पसन्द नहीं आई थी। वे फिल्म के निर्देशक अनीस बज्मी के कथानक से ताल्लुक नहीं रख पा रहे थे।

वर्ष 2004 में आई प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी हेरा फेरी को दर्शकों ने बेइंतहा प्यार दिया था। इस फिल्म ने अपने समय के अनुरूप कल्ट कॉमेडी फिल्म का तमगा हासिल किया। पहले भाग की सफलता के बाद इसका दूसरा भाग वर्ष 2006 में प्रदर्शित किया गया था, जिसने बॉक्स ऑफिस पर पहले भाग से ज्यादा कामयाबी प्राप्त की थी। इसके बाद से इसके 3रे भाग की जनता को काफी समय से प्रतीक्षा थी, जो अब खत्म होने जा रही है।

रिपोर्ट के अनुसार हेरा फेरी 3 की शूटिंग शुरू हो गई है और फिल्म में पुरानी स्टारकास्ट अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल ही नजर आएंगे। इस बीच हेरा फेरी 3 के सेट से एक तस्वीर लीक हो गई है। इस बात की पुष्टि सेट से लीक हुई एक तस्वीर भी कर रही है। हेरा फेरी 3 के सेट से जो तस्वीर सामने आई है उसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल नजर आ रहे हैं। तीनों ही कलाकार फिल्म में अपने किरदार के गेटअप में दिखाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर ये तस्वीर लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई है।

साउथ और बॉलीवुड फिल्मों में दिख चुकी हैं प्रिया बनर्जी, जिन पर दिल हार बैठे प्रतीक बब्बर ?

दिग्गज कलाकार राज बब्बर और स्मिता पाटिल के बेटे अभिनेता प्रतीक बब्बर ने अपना रिश्ता सार्वजनिक किया। पिछले एक साल से वह अभिनेत्री प्रिया बनर्जी के साथ अपने अफेयर को लेकर सुर्खियां बटोर रहे थे। दोनों को कई बार एक-दूसरे के साथ वक्त बिताते देखा गया था, लेकिन आखिरकार प्रतीक ने अपने इस रिश्ते पर मोहर लगा दिया। आइए आपको बताते हैं कौन हैं प्रिया बनर्जी।

प्रिया ने 2013 में साउथ फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्हें तेलुगु फिल्म किस में मशहूर अभिनेता अदिवी शेष के साथ देखा गया था। इसके बाद उन्होंने संदीप किशन और राशि खन्ना जैसे कलाकारों संग भी स्क्रीन साझा की। कुछेक साल तक तेलुगु सिनेमा से जुड़े रहने के बाद प्रिया ने बॉलीवुड फिल्मों में पदार्पण किया। 2015 में उन्हें ऐश्वर्या राय बच्चन की फिल्म जज्बा में देखा गया था। वह फिल्म बार बार देखो में भी थीं।

प्रिया ने निर्माता एकता कपूर की सीरीज से ओटीटी प्लेटफॉर्म का रुख किया। वह 2019 में आई उनकी हिट वेब सीरीज बारिश का हिस्सा थीं, जिसमें शरमन जोशी और आशा नेगी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। प्रिया 2020 में इस सीरीज के दूसरे सीजन में भी नजर आईं। उन्हें एकता की बोल्ड सीरीज बेकाबू में भी देखा गया, जिसमें उनके साथ अभिनेता राजीव सिद्धार्थ थे। उन्हें ट्विस्टेड 2 और भंवर जैसी लोकप्रिय सीरीज में भी देखा जा चुका है।

प्रतीक और प्रिया ने अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बेहद प्यारी तस्वीरें साझा कीं और आधिकारिक तौर पर अपने रिश्ते की पुष्टि कर दी। उन्होंने दो तस्वीरें साझा कीं। एक में दोनों ने सूरज की तरफ देखते हुए बेहद रोमांटिक पोज दिया तो दूसरी में उन्होंने अपना टैटू दिखाया। इस टैटू में पी और बी लिखा है। दरअसल, दोनों के नाम और सरनेम पी और बी से ही शुरू होते हैं..प्रतीक बब्बर और प्रिया बनर्जी।

प्रतीक की पहली शादी सान्या सागर से हुई थी। दोनों की शादी 23 जनवरी, 2019 में हुई थी, लेकिन यह शादी महज एक साल ही चली। 2020 में लॉकडाउन के दौरान दोनों अलग हो गए थे। पूर्व पत्नी से अलग होने के बाद प्रतीक की जिंदगी में प्रिया की एंट्री हुई। कहा जाता है कि प्रतीक अपने परिवार से भी प्रिया को मिलवा चुके हैं। दोनों की मुलाकात टीवी इंडस्ट्री के एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी। प्रतीक अभिनेता होने के साथ-साथ एक मार्शल आर्टिस्ट भी हैं। उन्होंने अभिनय में घुसने से पहले बतौर प्रोडक्शन असिस्टेंट अपना करियर शुरू किया था। वह दम मारो दम, धोबी घाट, आरक्षण, बागी 2, छिछोरे और दरबार जैसी फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुके हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

बिहान मेला में समूह की महिलाओं की हुनर से बन रही पहचान

राजनांदगांव। जिले के बिहान महिला स्वसहायता समूह की महिलाओं के चेहरों पर उजास मुस्कान, आत्मविश्वास और खुशहाली बयां कर रही है। बिहान की समूह की महिलाओं ने बिहान मेला के माध्यम से कामयाबी के नये आयाम प्राप्त किये हैं। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत बन रही है। कलेक्टर श्री डोमन सिंह की पहल पर जिले में व्यापक स्तर पर सभी विकासखंडों में तथा जिला स्तरीय बिहान मेला का आयोजन किया गया। जिसमें समूह की महिलाओं को अपने हुनर को प्रदर्शित करने तथा अपने उत्पादों की बिक्री के लिए बहुत अच्छा अवसर मिला। बिहान मेला में उत्सव की तरह माहौल रहा और नागरिकों का अच्छा प्रतिसाद मिला। इसका सुखद परिणाम यह रहा कि जिले में आयोजित चार बिहान मेला में 242 महिला समूह के लगभग 16 लाख 19 हजार रूपए के सामग्री की बिक्री हुई। जिले भर के बिहान समूह की महिला ने बिहान मेला में शामिल हुई। जिला पंचायत सीईओ श्री अमित कुमार के निर्देशन में चार बिहान मेला के सफल आयोजन से समूह की महिलाओं में बहुत उत्साह रहा। बैंक लिंकेज के माध्यम से समूह की महिलाओं को विभिन्न कार्यों के लिए 11 करोड़ 97 लाख रूपए की राशि स्वीकृत की गई। जिले भर के 242 समूह की लगभग 600 से अधिक सदस्य इसमें शामिल हुई। इस दौरान समूह की महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए। विविध उत्पाद के निर्माण के लिए प्रशिक्षण देने के साथ ही प्रोडक्ट के ब्रांडिंग, पैकेजिंग एवं मार्केटिंग के संबंध में विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई।

दुर्ग विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षाएं 13 मार्च से, जारी हुई संशोधित समय सारिणी

भिलाई। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा वार्षिक परीक्षाओं का आयोजन 13 मार्च से किया जा रहा हैं। तीन शिफ्टों में आयोजित होने वाली ये परीक्षाएं 12 मई तक जारी रहेंगी। यह जानकारी देते हुए विष्वविद्यालय के कुलसचिव, भूपेन्द्र कुलदीप एवं परीक्षा उपकुसचिव, डॉ. राजमणि पटेल ने बताया कि इस संबंध में विष्वविद्यालय की कुलपति द्वारा ली गई प्राचार्यों की ऑनलाईन बैठक में विचार विमर्ष के उपरांत विष्वविद्यालय द्वारा 10 फरवरी 2023 को जारी वार्षिक परीक्षा समय सारिणी संबंधी अधिसूचना में आंषिक परिवर्तन किया गया है। यह परिवर्तन मुख्यत: दूरस्थ अंचलों में स्थित छोटे महाविद्यालयों में बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों को बैठा पाने हेतु पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं होने के कारण किया गया है। कुलसचिव से प्राप्त जानकारी के अनुसार बीए भाग 02 एवं 03 का दर्षनषास्त्र, मनोविज्ञान, भूगोल एवं प्रबंधन का प्रथम प्रष्न पत्र अब परिवर्तित समय सारिणी के अनुसार 08 मई को होगा, जबकि उपरोक्त सभी विषयों के बीए प्रथम वर्ष के प्रष्नपत्र 08 मई के स्थान पर 09 मई को आयोजित होगा। इसी प्रकार दर्षनषास्त्र, मनोविज्ञान, भूगोल एवं प्रबंधन का द्वितीय प्रष्न पत्र अब परिवर्तित समय सारिणी के अनुसार 11 मई को होगा, तथा बीए प्रथम वर्ष के उपरोक्त सभी द्वितीय प्रष्न पत्र 11 मई के स्थान पर 12 मई को आयोजित होंगे। शेष सभी प्रष्न पत्रों की तिथि यथावत होगी। विष्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि विष्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाओं के समस्त परिणाम घोषित हो चुके हैं तथा विष्वविद्यालय की सभी संकायों की प्रायोगिक परीक्षाएं भी समाप्ति की ओर हैं। कुछ महाविद्यालयों में बाह्य परीक्षकों की अनुपलब्धता के कारण एक-दो प्रायोगिक परीक्षाएं शेष हैं जो शीघ्र आयोजित हो जायेंगी। इस बीच वार्षिक परीक्षा के तैयारी के रूप में सभी महाविद्यालयों में उत्तरपुस्तिकाएं भेजी जा चुकी हैं। साथ ही परीक्षा आयोजन हेतु आवष्यक सभी प्रपत्र भी महाविद्यालयों को उपलब्ध कराया जा रहा है। परीक्षा के संचालन हेतु परीक्षा कक्ष में वीक्षकीय कार्य करने वाले प्राध्यापकों को दिया जाने वाला मानदेय तथा अन्य आवष्यक खर्चे हेतु विष्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालयों को दिया जाने वाले अग्रिम राशि देने की प्रक्रिया भी जारी है।

संकटग्रस्त दुनिया में भारत भविष्य की उम्मीद बन रहा, बिल गेट्स ने देश की उपलब्धियों को सराहा

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सह-अध्यक्ष बिल गेट्स ने अपने ब्लॉग 'गेट्स नोट्स' में कहा कि भारत भविष्य के लिए उम्मीद जगाता है और इस देश ने साबित कर दिया है कि जब दुनिया कई संकटों का सामना कर रही है, तब भी भारत बड़ी समस्याओं को एक बार में हल कर सकता है।

बिल गेट्स ने कहा कि उनका मानना है कि सही नवाचारों और वितरण चैनलों के साथ दुनिया एक साथ बहुत सारी बड़ी समस्याओं पर प्रगति करने में सक्षम है। ऐसे समय में भी जब दुनिया कई संकटों का सामना कर रही है और आमतौर पर प्रतिक्रिया मिलती है कि एक ही समय में दोनों को हल करने के लिए पर्याप्त समय या पैसा नहीं है, भारत ने सभी प्रतिक्रियाओं को गलत साबित कर दिया है। गेट्स ने अपने ब्लॉग में कहा, 'भारत ने जो उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है, उससे बेहतर और कोई प्रमाण नहीं है।

पूरे भारत ने मुझे भविष्य के लिए उम्मीद दी है। यह दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने वाला है, जिसका अर्थ है कि आप बड़े पैमाने पर उन्हें हल किए बिना अधिकांश समस्याओं से निजात नहीं पा सकते हैं। भारत ने साबित कर दिया है कि वह बड़ी चुनौतियों से निपट सकता है। देश ने पोलियो का उन्मूलन किया, एचआईवी संचरण को कम किया, गरीबी को कम किया, शिशु मृत्यु दर में कटौती की और स्वच्छता और वित्तीय सेवाओं तक पहुंच में वृद्धि की।

माइक्रोसॉफ्ट के सहसंस्थापक ने यह भी कहा कि भारत ने नवाचार के लिए एक विश्व में अग्रणी दृष्टिकोण विकसित किया है जो यह सुनिश्चित करता है कि समाधान उन लोगों तक पहुंचें जिन्हें उनकी आवश्यकता है।

डायरिया के कई घातक मामलों का कारण बनने वाले वायरस को रोकने वाली रोटावायरस वैक्सीन जब हर बच्चे तक पहुंचने के लिए बहुत महंगी थी तो भारत ने खुद वैक्सीन बनाने का फैसला किया।

भारत ने कारखानों के निर्माण और टीकों को वितरित करने के लिए बड़े पैमाने पर वितरण चैनल बनाने के लिए विशेषज्ञों और फंडर्स (गेट्स फाउंडेशन सहित) के साथ काम किया। गेट्स ने कहा कि 2021 तक एक साल तक के 83 प्रतिशत बच्चों को रोटावायरस से बचाव का टीका लगाया गया था। अब इन कम लागत वाले टीकों का उपयोग दुनिया के अन्य अन्य देशों में किया जा रहा है।

पूसा में भारत के इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट या आईएआरआई में अपने वित्त पोषण के बारे में बात करते हुए गेट्स ने कहा, गेट्स फाउंडेशन ने आईएआरआई में शोधकर्ताओं के काम का समर्थन करने के लिए भारत के सार्वजनिक क्षेत्र और सीजीआईएआर संस्थानों के साथ हाथ मिलाया है।

अब कैंसर की जांच हुई आसान 'हमर लैब' में मिल रही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य जांच की सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के जरूरतमंद लोगों के लिए 'हमर लैब' संजीवनी के रूप में उभरा है। मरीजों को सरकारी अस्पतालों में अधिक से अधिक और आसानी से स्वास्थ्य सुविधा मिल सके, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग निरंतर प्रयासरत है। मरीज इनसे लगातार लाभान्वित भी हो रहे हैं। पहले बड़ी बीमारियों की जांच कराने के लिए हजारों रूपए खर्च करना पडता था, लेकिन 'हमर लैब' में अब सभी प्रकार की स्वास्थ्य जांच नि:शुल्क हो रही है।

पंडरी स्थित रायपुर जिला चिकित्सालय में 62 साल के घनश्याम (परिवर्तित नाम) हार्निया की समस्या लेकर पहुंचे थे। उसकी प्राथमिक जांच के बाद सर्जन ने सीबीसी की सलाह दी। रायपुर जिला अस्पताल के 'हमर लैब' में ही उसकी सारी जांच की गई। जांच के बाद उसका डब्ल्यूबीसी काउंट एक लाख पांच हजार पाया गया।

पैथोलॉजिस्ट डॉ. श्रद्धा साहू ने घनश्याम के स्वास्थ्य का परीक्षण कर पेरिफेरल स्मीयर की स्लाइड बनवाकर जांच की गई। इस टेस्ट में लाल व सफेद रक्त कोशिकाओं (आरबीसी और डब्ल्यूबीसी) और प्लेटलेट्स के आकार व संख्या की जांच की जाती है। यह दूसरे काउंट्स का पता लगाने में भी मदद करता है, जैसे डब्ल्यूबीसी या न्यूकोराईट के विभिन्न प्रकारों के आकार और संख्या की जांच करना। घनश्याम के 'हमर लैब' में सम्पूर्ण जांच के बाद स्पलीन का बढ़ा होना पाया गया। रोगी के नमूने को साइटोजेनेटिक विश्लेषण के लिए भेजा गया जिसमें क्रॉनिक मायलोजेनस ल्यूकेमिया की पुष्टि हुई।

जरूरतमंदों तक समय पर पहुंच रहा इलाज

'हमर लैब' से जरूरतमंदों तक समय रहते इलाज पहुंच पा रहा है। प्रदेश में संचालित 'हमर लैब' के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण जांच व डायग्नोस्टिक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। 'हमर लैब' राज्य के जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्थापित किए गए हैं। जिला चिकित्सालयों की 'हमर लैब' में 120 प्रकार की और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रो की लैब में 50 तरह की जांच की सुविधा उपलब्ध है। इन लैबों का संचालन स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों के द्वारा किया जा रहा है।

क्रांतिकारियों ने भगवत गीता से प्रेरणा मिली अंग्रेजों को परास्त करने की-आचार्य शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ में स्वातंर्त्योत्तर संस्कृत काव्यों में राष्ट्रीय चेतना पर केंद्रित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें इस्पात नगरी भिलाई के साहित्याचार्य डा.महेश चंद्र शर्मा ने सत्र की अध्यक्षता की। डा.शर्मा ने कहा कि वैदिक साहित्य,रामायण,महाभारत और श्रीमद्भागवत गीता के बिना स्वाधीनता की कल्पना नहीं की जा सकती। महर्षि अरविन्द घोष, लोकमान्य पं. बाल गंगाधर तिलक,महात्मा गांधी और नेताजी सुभाषचन्द्र बोस आदि को श्रीमद्भगवद्गीता से अंग्रेजों को परास्त करने की प्रेरणा मिली।

इस दौरान आचार्य डा.शर्मा ने एक मौलिक शोध लेख भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि बिलासपुर (छत्तीसगढ़) के आचार्य डा.राजाराम त्रिपाठी विरचित नेहरूमहाकाव्यम् में कुल 16 सर्ग और 1215 श्लोक हैं।

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू इस महाकाव्य के नायक हैं। इस मौके पर विश्वविद्यालय द्वारा आचार्य डा.शर्मा का शाल-श्रीफल प्रदान कर सम्मान भी किया गया। इस समारोह की मुख्य अतिथि डा.इला घोष जबलपुर, मुख्य वक्ता डा.मधुसूदन पेन्ना कुलपति कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय रामटेक महाराष्ट्र,डा.नौनिहाल गौतम सागर,अध्यक्षता डा.इन्द्रदेव तिवारी कुलसचिव खैरागढ़ विश्वविद्यालय, विशेष अतिथि डा.काशीनाथ तिवारी अधिष्ठाता कलासंकाय एवं संस्कृत विभागाध्यक्ष एवं संयोजिका डा.पूर्णिमा केलकर संस्कृत विभाग समेत खैरागढ़ विश्वविद्यालय के साहित्य प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए स्मार्ट टीवी दान बना जन आंदोलन

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह की दूरदर्शिता और सामाजिक सरोकार की दिशा में एक दूरगामी सोच ने जिले की सूरत और सिरत बदलने की दिशा में बरबस चल पड़ा है। कलेक्टर श्री सिंह की पहल और प्रयास से आंगनबाड़ी केन्द्रों और स्कूलों के लिए स्मार्ट टीवी लगातार दान में मिल रहे हैं।

सामाजिक सहभागिता और लोगों की स्वस्फूर्त प्रेरणा से स्मार्ट टीवी दान में मिल रहे हैं। जिले के एबीस ग्रुप के श्री अंजुम अली ने जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए 100 नग स्मार्ट टीवी दान में देने का संकल्प लिया है। उन्होंने आज कलेक्टर और स्थानीय जनप्रतिनिधियों व सरपंचों की उपस्थिति में डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम पंचायत दीवानभेड़ी में आयोजित कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए 12 नग स्मार्ट टीवी दान में दिए।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर ने कहा कि यह बड़ी खुशी की बात है कि जिले के समाजिक संगठन, व्यापारिक संगठन के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों द्वारा आपसी सहभागिता से सामाजिक सरोकार की दिशा में अपना योगदान दे रहे हैं। कलेक्टर ने कहा कि आज जो स्मार्ट टीवी आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए दान में मिले हैं, वह बच्चों के शिक्षा, संस्कार व भविष्य गढने् के साथ-साथ समाज के निर्माण की दिशा में ब्रम्हास्त्र का कार्य करेंगे। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा से बड़ा कोई चिराग नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षा की नीव आंगनबाड़ी केंद्र होती है। प्रारंभिक स्तर पर ही हम आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को मजबूती के साथ शिक्षा व संस्कारित करेंगे तो आने वाला भविष्य सुदृढ़ होने के साथ-साथ मजबूती के साथ समाज को एक दिशा दिखाने का कार्य करेगा। आगे आने से हम जिले को स्मार्ट जिला बनाने में आगे बढ़ेंगे।

नियमितीकरण नहीं कराने वाले दुकान एवं भवन पर दूसरे दिन भी सील बंद करने की हुई कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत दूसरे दिन भी अनाधिकृत विकास व निर्माण का नियमितीकरण नहीं कराने पर एक भवन व दुकान को सील कर दिया गया। अनाधिकृत विकास व निर्माण का नियमितीकरण कराने के लिए भिलाई निगम के द्वारा लगातार लोगों से अपील की जा रही है।

सर्वे कार्य किया जा रहा है तथा शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं। सर्वे उपरांत अनाधिकृत विकास को नियमितीकरण के दायरे में लाने के लिए आवेदन प्रस्तुत करने कहा जा रहा है। फिर भी नियमितीकरण नहीं कराने वाले ऐसे अनाधिकृत विकास व निर्माण पर निगम द्वारा सीधे सील बंद करने की कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है कि निगमायुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर सभी जोन क्षेत्रों में सर्वे अभियान चल रहा है, अलग-अलग वार्ड क्षेत्रों में शिविर के आयोजन भी किए जा रहे हैं। परंतु अनाधिकृत विकास व नियमितीकरण के दायरे में आने वाले संचालकों, मालिको के द्वारा नियमितीकरण नहीं कराने पर कार्रवाई की जा रही है। भिलाई निगम के द्वारा लगातार लोगों से अनाधिकृत विकास व निर्माण के तहत भवन अनुज्ञा के विपरीत निर्माण, मिली हुई स्वीकृति के विपरीत निर्माण, आवासीय प्रयोजन में व्यवसायिक निर्माण या बिना स्वीकृति के निर्माण का नियमितीकरण कराने की अपील की जा रही है। बावजूद इसके नियमितीकरण के लिए आवेदन जमा नहीं करने वालों पर कार्यवाही की जा रही है।

भिलाई निगम के मुख्य कार्यालय सहित सभी जोन कार्यालय में नियमितीकरण के आवेदन जमा किए जा सकते हैं। अनाधिकृत विकास व निर्माण का नियमितीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत नहीं करने वाले वार्ड क्रमांक 30 प्रगति नगर के निवासी की दुकान तथा लिंक रोड कैंप 2 वार्ड क्रमांक 36 में निर्मित भवन को आज सील कर दिया गया। नगर पालिक निगम भिलाई की अपील है कि अनाधिकृत विकास व निर्माण का अति शीघ्र नियमितीकरण करा लें इसके लिए आर्किटेक्ट के माध्यम से निगम में आवेदन जमा करना होगा। अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी के निर्देश पर आज की कार्रवाई में जोन 3 के सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम तथा निगम के अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कोण्डागांव जिला कोंडागांव (छ0ग0)

// ईश्तहार //

ई-कोर्ट क्रं. / 202302200900010 /अ-2/2022-23

ग्राम- मसोरा प.ह.न.-10

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री काशीनाथ सिंह पिता शिव पूजन सिंह जाति क्षत्रिय निवासी मसोरा तहसील कोण्डागांव जिला कोण्डागांव के द्वारा ग्राम मसोरा में स्थित स्वयं के नाम की भूमि खसरा नंबर 1/148 रकबा 0.688 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि मे से 0.20 एकड़ भूमि को आवासीय प्रयोजन व्यपवर्तन हेतु नक्शा खसरा बी-1 रजिस्ट्री बैनामा की छायाप्रति सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति दावा प्रस्तुत करना हो तो दिनांक 06/03/2023 तक मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि पश्चात प्राप्त आपत्ति / दावा पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15/02/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

(मुहर) अनुविभागीय अधिकारी (रा0) कोण्डागांव

खास खबर

घुमाने के बहाने नाबालिग की इज्जत लूटी, दुष्कर्मी को आजीवन कारावास

रायगढ़ (ए)। मोटर सायकिल से घूमाने के बहाने नाबालिग बाला को जंगल में ले जाकर उसकी इज्जत से खेलने के मामले में आरोप सिद्ध होने पर अपर सत्र न्यायालय ने मुल्जिम को आजीवन कारावास की सजा दी है। साथ ही दो हजार रूपये के अर्थदंड से दंडित भी किया है। न्यायालयीन सूत्रों के मुताबिक लैलूंगा थाना क्षेत्र के ग्राम कोड़ासिया निवासी कृष्णा नागवंशी पिता विलम नागवंशी 20 वर्ष विगत 23 अक्टूबर 2020 की शाम अपनी सहेलियों के संग मन्दिर घूमने निकली एक नाबालिग युवती को मोटर सायकिल में घूमाने की बात कहते हुए अपने साथ बैठाकर जंगल ले गया और अपनी कामाग्नि शांत की। इसके कुछ रोज के बाद यानी 20 नवंबर 2020 की शाम किशोरी घर से गायब हो गई। जवान बेटी के लापता होने से परेशान परिवार ने खोजबीन की तो पता चला कि कृष्णा उसे भगा ले गया है। ऐसे में उन्होंने थाने की शरण ली। पुलिस ने सघन अभियान चलाते हुए पतासाजी की तो 23 नवंबर को कृष्णा के साथ नाबालिग बाला मिली। पुलिस ने किशोरी के डॉक्टरी परीक्षण करवाते हुए पूछताछ की तो खुलासा हुआ कि कृष्णा शादी का झांसा देकर दो रोज तक उसकी आबरू से खिलवाड़ करता रहा।

गर्मी की आहट: एक छोटी सी चिंगारी ने बर्बाद किए 12 एकड़ में फैले सागौन की बाड़ी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। गर्मी की आहट होने के साथ ही कोरबा में आगजनी की घटनाएं बढ़ने लगी है। आग की छोटी सी चिंगारी को विकराल रुप लेने में समय नहीं लग रहा। ऐसी ही एक घटना रिस्दी क्षेत्र में हुई जहां 12 एकड़ के रकबे में फैले सागौन की नर्सरी में आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही कोरबा का दमकल विभाग हरकत में आया और जैसे तैसे आग पर काबू पाया। इस दौरान पेड़ जलकर खाक हो गए।

कोरबा शहर में इन दिनों रोजाना आगजनी की घटनाएं सामने आ रही है जहां रोज कहीं न कहीं आग लग रही है। एक बार फिर से रिस्दी ईलाके से आग लगने की घटना से अफरा-तफरी की स्थती निर्मित हो गई। 12 एकड़ के रकबे में फैले सागौन बाड़ी में आग की लपटों के उठता देख लोगों ने दमकल विभाग को सूचना दी।

मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने घंटो मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। धधकते आग की चपेट में आने के कारणं बेशकीमती सागौन के पेड़ जलकर खाक हो गए। शहर में जिस तरह से आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही है उसे रोकने के लिए ठोस उपाय अपनाए जाने की जरुरत है ताकी किसी भी अनहोनी को टाला जा सके।

22 दिन से लापता छात्रा की जंगल में पेड़ पर लटकती मिली लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में जंगल में पेड़ से लटकती लड़की की लाश मिली। राहगिरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बरमद किया और पीएम के लिए भेजा। जांच के दौरान पता चला किया शव 9 वीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा की थी जो कि बीते 22 दिनों से लापता थी। पुलिस लगातार छात्रा की तलाश कर रही थी।

मिली जानकारी के अनुसार बालोद जिले के साल्हे में जंगल के भीतर पेड़ पर छात्रा की शव मिलने से हड़कंप मच गया। 9वीं की छात्रा 31 जनवरी को स्कूल के लिए निकली थी उसके बाद से उसका कुछ भी पता नहीं था। परिजनों ने छात्रा की पतासाजी करने के बाद 6 फरवरी को थाने में रिपोर्ट लिखवाई थी। इसके बाद से पुलिस छात्रा की तलाश कर रही थी। बुधवार को पुलिस को सूचना मिली की जंगल में छात्रा की लाश पेड़ पर लटकी हुई है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान लापता छात्रा के रूप में की।

सड़ चुकी थी लाश

पुलिस के अनुसार जंगल में जिस जगह पर छात्रा का शव मिला उस ओर लोगों का आनाजाना कम ही रहता है। शव काफी पुराना होने के कारण सड़ चुका था। छात्रा ने फांसी लगाई है या किसी ने लटकाया है इसकी जांच की जा रही है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होने की बात पुलिस कर रही है।

72 लाख डकारने के मामले में सहारा इंडिया का एक और ब्रांच मैनेजर गिरफ्तार

रायगढ़ (ए)। सहारा इंडिया के खरसिया शाखा प्रबंधक को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है। सहारा इंडिया के स्थानीय शाखा प्रबंधक एवं अन्य आरोपियों के विरुद्ध विकास निगानिया निवासी कृष्णा विहार कॉलोनी रायगढ़ के आवेदन पर 29 सितंबर को थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 1363/2022 धारा 420 , 120 बी, 34 ताहि, धारा 6, 10 छत्तीसगढ़ निक्षेपकों के हितों के संरक्षण अधिनियम, धारा 4, 5, 6 ईनामी चिट और धन परिचालन स्कीम (पाबंदी) अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

मामले की जांच में पाया गया कि सहारा इंडिया के तत्कालीन शाखा प्रबंधक कबीर चौक आरोपी ओम प्रकाश शर्मा ने पीड़ित विकास निगानिया को सहारा इंडिया की विश्वसनीयता एवं निवेश प्रोग्राम के संबंध में विज्ञापन दिखाकर 40 लाख रुपए निवेश

कराया। ओम प्रकाश शर्मा के द्वारा विकास निगानिया से कुल 182 बॉन्ड पेपर जारी किया और प्रतिमाह 40,000 ब्याज के रूप में देने का अनुबंध किया और उसके मूलधन 40 लाख को कभी भी जरूरत पड़ने पर देने का वादा किया था पर मार्च 2022 तक केवल 40,000 ही लौटाया। उसके बाद टालमटोल कर रकम नहीं लौटाया था। आरोपी ओम प्रकाश शर्मा को 16 जनवरी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है।

मामले में सहारा इंडिया के रायगढ़ जिले में स्थित विभिन्न ब्रांचों में कई लोगों से काफी मात्रा में रकम निवेश की जानकारी मिली है, जिसकी जांच की जा रही है। विवेचना दरम्यान पीड़ित/गवाह सुंदर लाल पटेल ने बताया कि सहारा इंडिया खरसिया शाखा का पुष्पेंद्र कुमार साहू ने कई निवेशकों का कुल 72,15,373 रुपए जमा कराया और समय अवधि पूर्ण होने के बाद भी रकम नहीं लौटाया।

सीएसपी रायगढ़ के नेतृत्व में कोतवाली व साइबर सेल की टीम आरोपी शाखा प्रबंधक पुष्पेन्द्र साहू पर निगाह रखी गई थी जो गिरफ्तारी से बचने फरार था जिसे कोतवाली पुलिस ने मुखबिर सूचना पर गिरफ्तार कर विस्तृत पूछताछ कर आरोपी से दस्तावेजी साक्ष्य जप्त किया गया है। मामले में आरोपी पुष्पेंद्र कुमार साहू उम्र 49 वर्ष निवासी संस्कार अस्पताल के पास थाना खरसिया जिला रायगढ़ को गिरफ्तार कर विशेष न्यायाधीश रायगढ़ के न्यायालय में पेश किया गया है।

अश्लील मैसेज भेजकर छात्रा को करता था परेशान, हेडमास्टर गिरफ्तार

कवर्धा (ए)। सोशल मीडिया पर अश्लील मैसेज भेजकर छात्रा को परेशान करने के मामले में बुधवार को हेडमास्टर की गिरफ्तारी हुई है। आरोपी कुंजबिहारी हठीले प्राथमिक स्कूल जैतपुरी का हेडमास्टर है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी हेडमास्टर को निलंबित भी कर दिया गया है। मामला पिपरिया थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी कुंजबिहारी पिता भजराम हठीले (42) वार्ड- 17 रायपुर बायपास रोड कवर्धा का रहने वाला है। वह प्राथमिक स्कूल जैतपुरी में प्रधानपाठक के पद पर पदस्थ था। आरोपी प्रधानपाठक ने अपने ही स्कूल की छात्रा को मोबाइल पर अश्लील मैसेज भेजकर परेशान कर रहा था।

यह सिलसिला दिसंबर 2022 से फरवरी 2023 तक चला। यही नहीं, जनवरी 2023 में स्कूल से छुट्टी होने के बाद पीड़ित छात्रा को अलग कमरे में ले गया, जहां उसके साथ अश्लील हरकतें की। पीड़ित छात्रा व उसके परिजन ने थाने में रिपोर्ट की। पुलिस ने धारा 354, 354 (क), 354 (ख), 509(ख) और पॉक्सो अधिनियम की धारा 8, 10, 12 व आईटी एक्ट की धारा 67(ए) के तहत जुर्म दर्ज किया। आरोपी को जेल भेज दिया गया है। छात्रा से छेड़खानी की घटना पर कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने प्राथमिक स्कूल जैतपुरी के प्रधानपाठक कुंजबिहारी हठीले को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार प्रधानपाठक कुंजबिहारी को छात्रा से छेड़खानी के गंभीर आरोप हैं। कवर्धा बीईओ के प्रतिवेदन के आधार पर प्रधानपाठक को निलंबित करने कार्रवाई की गई। जारी प्रतिवेदन के अनुसार प्रधानपाठक कुंजबिहारी का यह कृत्य कदाचरण एवं शिक्षकीय व्यवहार के प्रतिकूल है।

दुकान से चांदी के सिक्के और गल्ला हुआ खाली, सीसीटीवी में कैद हुआ चोर

रायगढ़ (ए)। सिटी कोतवाली से चंद कदम दूर कैलाश एजेंसी में अनोखी चोरी हुई। चोर ने दुकान को पहले तिरपाल से ढंका, फिर शटर का ताला तोड़ते हुए चांदी के 20 सिक्के और गल्ले में रखे तकरीबन 3 हजार को गायब कर दिया। शातिर चोर की यह कारस्तानी सीसीटीवी कैमरे में कैद है। यह वारदात शहर के हंडी चौक की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय लालटंकी के समीप रहने वाले होलसेल किराना कारोबारी बजरंग अग्रवाल पिता स्व.बुधराम अग्रवाल की हंडी चौक से रेलवे स्टेशन मार्ग स्थित सेवाकुंज में कैलाश एजेंसी नामक दुकान है। रोजाना की तरह बजरंग अग्रवाल मंगलवार रात तकरीबन 8 बजे अपनी दुकान बंद कर घर चले गए। बुधवार सुबह घूमने निकले बजरंग ने देखा कि उनकी दुकान के सामने काले रंग का तिरपाल बंधा था। ऐसे में बजरंग ने तिरपाल को हटाकर देखा तो उनके होश उड़ गए, क्योंकि दुकान के शटर के एक तरफका ताला संदिग्ध परिस्थितियों में टूटा था।

सफेद दाग बीमारी के इलाज के नाम पर लाखों की ठगी, तीन गिरफ्तार

रायपुर (ए)। सफेद दाग बीमारी का ईलाज करने के नाम पर देशभर में कई लोगों को अपना शिकार बनाकर लाखों रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। ऐसे घटना को अंजाम देने वाले अंतरराज्यीय राजस्थानी गैंग के तीन आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने पंडरी निवासी कारोबारी को शर्तिया इलाज का झांसा देकर एक लाख रुपये ठग लिए थे। आरोपित उस्मान उर्फ डा. रहमान मलिक, सोनू मोहम्मद और अख्तर को तेलंगाना के मनचिरियन से गिरफ्तार किया गया है।जानकारी के अनुसार, पंडरी थाने में प्रार्थी भूपेंद्र वर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह द्वारिका विहार कालोनी दलदल सिवनी शिवाजी नगर रायपुर में रहता है। सफेद दाग के बिमारी से ग्रसित है। प्रार्थी की मुलाकात शंकर नगर में अनिल तिवारी नामक व्यक्ति से हुई। जिसके द्वारा कहा कि सफेद दाग का इलाज क्यों नहीं कराते हो,

बोलते हुए सफेद दाग का इलाज कराने के लिए डा. रहमान मलिक नामक व्यक्ति का नंबर दिया। प्रार्थी द्वारा अपने एवं अपने पुत्र के सफेद दाग के इलाज के लिए डॉ. रहमान मलिक से संपर्क किया। जिस पर उक्त व्यक्ति को अपने घर ले जाकर अपने बेटे का इलाज करवाया गया।

प्रार्थी को ठगी का हुआ शक

इलाज के बाद डा. मलिक नामक व्यक्ति द्वारा इलाज का एक लाख रुपये आनलाइन एवं नगद के माध्यम से ले लिए। इसके बाद सफेद दाग बीमारी की दवाइयां शाम को वाट्सएप में मैसेज करने कहा। लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी दवा नहीं भेजी गई। तब प्रार्थी को ठगी का शक हुआ। जिसके बाद थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जिन खातों में रकम भेजी गई थी, उन खातों के संबंध में भी संबंधित बैंकों से दस्तावेज व जानकारी प्राप्त की गई। आरोपितों को तेलंगाना में लोकेट किया गया। जिसके बाद आरोपितों को गिरफ्तार किया गया।

शंकर नगर में फायरिंग करने वाले आरोपी गिरफ्तार

मलेशिया से फोन कर गैंगस्टर ने कारोबारी को दी जान से मारने की धमकी

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर के शंकर नगर में सुरक्षा गार्ड पर हुई फायरिंग के 3 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 11 फरवरी को शाम 6 बजे आरकेटीसी कंपनी के मालिकों में फिरौती देने का डर बनाने के लिये गेट में तैनात गार्ड पर शूटरों ने फायरिंग की थी। जिसमें गार्ड बाल-बाल बच गया था। ये

तीनों शूटर फायरिंग कर फरार हो गये थे। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर इन आरोपियों की पहचान की। फिर इन्हें पुलिस ने हरियाणा,मध्यप्रदेश और मुंबई से गिरफ्तार किया है ।

फिरौती से जुड़ा है पूरा मामला

रायपुर एसएसपी प्रशांत अग्रवाल ने बताया इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक सपोर्ट का काम करने वाली आरकेटीसी ग्रुप के मालिकों पर डर फैलाने के लिए इस वारदात को किया गया। इस पूरे कांड में मलेशिया के मोबाइल नंबर का उपयोग कर हरियाणा के गैंगस्टर मयंक सिंह ने कंपनी के डायरेक्टर से जिंदा रहने के लिये करोड़ों रुपये फिरौती की मांग की। साथ ही डर दिखाकर पैसे उगाही के लिए कंपनी के शंकर नगर के ऑफिस पर सुरक्षा गार्ड पर गोली चलवाई। एसएसपी ने बताया कि मयंक सिंह ने इस वारदात को करने के लिये हरियाणा के हैरी(27) उर्फ हरपाल सिंह को 2 लाख रुपये की सुपारी दी। जिसके बाद हैरी ने अपने अन्य दो साथी हरियाणा के बलविंदर सिंह(19) और मध्यप्रदेश भोपाल के आशीष निकम(27) के साथ मिलकर साजिश रची।

चोरी की बाइक लेकिन सीसीटीवी से पहचान

रायपुर में इस वारदात को अंजाम देने के लिए चोरी की बाइक की व्यवस्था की गई। फिर उसमें फर्जी नंबर प्लेट लगा हेलमेट पहनकर कंपनी के ऑफिस के बाहर का चक्कर लगाया। मौका मिलते ही अपने साथी के साथ उन्होंने सुरक्षा गार्ड के ऊपर फायरिंग कर दी। उसके बाद वहां से भागकर पकड़े जाने के डर से मंडीगेट पंडरी के पास बाइक और हेलमेट को रख दिया। फिर अपने राज्य में वापस भाग गया।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 13.02.2023

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक **06.03.2023** तक आमंत्रित की जाती हैः-

निविदा आमंत्रण सू.क्र./ सि.क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
323 / 124845	जिला दुर्ग के कोडिया में शासकिय हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित।	119.18
324 / 124846	लिटिया (वि.ख. राजनांदगांव) जिला राजनांदगांव में उपस्वास्थ केन्द्र भवन का निर्माण कार्य।	26.44
325 / 124847	जिला कबीरधाम के वि.ख. स./लोहरा मोतिमपुर हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य।	69.44
326 / 124848	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग कवर्धा के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का संधारण मरम्मत एवं मरम्मत कार्य	45.05
327 / 124849	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग पंडरिया के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का संधारण मरम्मत एवं मरम्मत कार्य	24.00
328 / 124850	जिला कबीरधाम के ग्राम अचानकपुर हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य।	67.21
329 / 124851	ग्राम तोरा, ब्लाक- नवागढ जिला बेमेतरा में हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य।	69.23
330 / 124853	खैरा से रवेली मार्ग लंबाई 1.00 कि.मी. का निर्माण कार्य	76.40
331 / 125578	उपसंभाग पाटन के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डामर नवीनीकरण कार्य।	64.94

टीप

1. एन.आई.टी.क्रं. 323 एवं 331 लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग से संबंधित है एवं एन.आई.टी.क्रं. 324 एवं 330 लोक निर्माण विभाग राजनांदगांव संभाग राजनांदगांव से संबंधित एवं एन.आई.टी.क्रं. 325,326,327 एवं 328 लोक निर्माण विभाग कवर्धा संभाग कवर्धा से संबंधित है एवं एन.आई.टी.क्रं. 329 लोक निर्माण विभाग बेमेतरा संभाग बेमेतरा से संबंधित है ।
2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portas एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।
3. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

जी-98772/6

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष- 0788-2210876

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

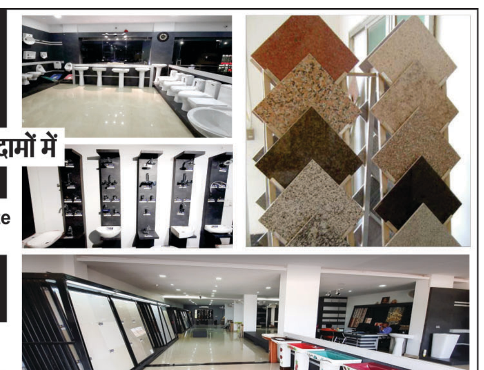

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने शक्ति नगर तालाब का किया निरीक्षण, सफाई व्यवस्था देखी

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 17 क्षेत्र के भ्रमण के दौरान आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने मॉर्निंग विजिट में शक्ति नगर तालाब का किया निरीक्षण, तालाब में सफाई व्यवस्था भी देखी,नगर निगम क्षेत्र के तालाबों को संवारने का काम किया जा रहा है। इसी के तहत शक्ति नगर तालाब का बुधवार को निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने पूरे तालाब का निरीक्षण कर जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि महापौर धीरज बाकलीवाल ने दुर्ग निगम क्षेत्र अंतर्गत आने वाले तालाबों को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। आयुक्त लोकेश चंद्राकर बुधवार को सुबह 6 बजे शक्ति नगर तालाब परिसर पहुंचे। वहां उन्होंने तालाब के आसपास के पूरे परिसर की सघन सफाई करने के निर्देश अधिकारी जावेद अली को दिए। निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षद देवनारायण चन्द्राकर व एल्डरमेन अजय गुप्ता ने तालाब की विशेषताओं को लेकर आयुक्त को अवगत कराया और तालाब की गहराइयों तक सफाई व घाट में पेवरब्लाक के अलावा सौंदर्यीकरण के लिए आयुक्त से मांग की। पार्षद ने कहा तालाब में सौंदर्यीकरण हो जाने से तालाब एक आकर्षक स्वरूप में नजर आ सके और घूमने आने वालों को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

एचएमई विभाग में सुरक्षा सप्ताह का प्रभावी आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के हेवी मेंटेनेंस इलेक्ट्रिकल (एचएमई) विभाग में सुरक्षा सप्ताह का प्रभावी आयोजन किया गया। सुरक्षा सप्ताह के उद्घाटन समारोह तथा समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महाप्रबंधक प्रभारी (इलेक्ट्रिकल) ए. शंकर उपस्थित रहे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में महाप्रबंधक (सुरक्षा) एस के महतो, महाप्रबंधक (सुरक्षा) जे तुलसीदासन तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता एचएमई के महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष मो. अशरफसिद्दीकी ने किया। समारोह के प्रारंभ में एचएमई के विभागीय सुरक्षा अधिकारी एवं सहायक प्रबंधक श्री एस नरेन्द्र राव ने विभाग के वार्षिक सुरक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विभाग की सुरक्षा उपलब्धियों तथा विभिन्न सुरक्षा कार्यक्रमों की जानकारी प्रस्तुत की। सुरक्षा सप्ताह के उदघाटन समारोह में महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष मो. अशरफसिद्दीकी ने अपने स्वागत भाषण में एचएमई के सुरक्षा उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए 1541 दुर्घटनारहित दिनों के लिए सभी कार्मिकों व अधिकारियों को बधाई दी और इस रिकॉर्ड को निरन्तर बेहतर करने का आग्रह किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित ए शंकर ने सुरक्षित कार्य करने के साथ ही सड़क सुरक्षा पर भी ध्यान देने की अपील की। इसके साथ ही उपस्थित अतिथियों ने सड़क सुरक्षा पर प्ले-कार्ड का भी विमोचन किया। इसी क्रम में विषिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित महतो ने टूल बॉक्स टॉक, सेफ्टी टॉक पर जोर दिया। तूलसीदासन ने भी अपने संबोधन में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया। समारोह के प्रारंभ में संचालन कर रहे सी एस साहू ने उपस्थितजनों को सुरक्षा शपथ दिलायी साथ ही एम एस यादव ने अपने सुरक्षा अनुभव को साझा किया। सुरक्षा सप्ताह के दौरान विभाग के नियमित कार्मिकों तथा ठेका श्रमिकों हेतु अलग-अलग वर्ग में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख हैं सुरक्षा नारा प्रतियोगिता, सुरक्षा क्विज प्रतियोगिता, बेस्ट सेफ्टी माइडेड पर्सन अवार्डस, सर्वाधिक नियरमिस केस रिपोर्टिंग अवार्ड तथा विभिन्न जोन हेतु हाउसकीपिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। समापन समारोह में अतिथियों द्वारा इन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

समाज कल्याण विभाग ने 10 हजार से अधिक नागरिकों के परीक्षण के बाद वितरण किए आवश्यक सामग्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ नागरिकों को होने वाली शारीरिक समस्याओं का निराकरण करने हेतु संभाग स्तरीय (जिला-दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, राजनांदगांव, कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला मानपुर-अंबागढ़ चौकी को सम्मिलित कर) परीक्षण एवं मूल्यांकन समारोह आज पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम, मानस भवन के पास दुर्ग में किया गया।

अरुण वोरा, विधायक दुर्ग शहर एवं अध्यक्ष छ.ग. स्टेट वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन छ.ग. शासन एवं धीरज बाकलीवाल, महापौर नगर निगम दुर्ग, के द्वारा कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा की पूजा-अर्चना, दीप प्रज्व्लन के साथ हुआ।

कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकजनों का शारीरिक, नेत्र, कान, नाक गला व नकली दांत आदि परीक्षण व साथ ही सामान्य चेकअप आदि का परीक्षण विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किया गया। जिसमें सभी वरिष्ठजन स्वास्थ्य लाभ लिये उक्त सामारोह में उपस्थित लगभग 10350 वरिष्ठ नागरिकों को तत्काल छड़ी वितरण किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती शालिनी रिवेन्द्र यादव, अध्यक्ष, जिला पंचायत दुर्ग, आर.एन. वर्मा, उपाध्यक्ष, पिछडा वर्ग आयोग एवं केबिनेट मंत्री दर्ज प्राप्त, देवेन्द्र देशमुख, अध्यक्ष जनपद पंचायत दुर्ग, श्रीमती छामित गायकवाड, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत दुर्ग, श्रीमती रत्ना नारमदेव एल्डरमेन, नगर पालिक निगम दुर्ग, कमल रुगंटा, समाजसेवी एवं सदस्य माता-पिता भरण पोषण एवं सम्मानीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहें साथ ही धर्मेन्द्र कुमार साहू, उपसंचालक, समाज कल्याण संचालनालय माना केम्प रायपुर, कमलेश कुमार पटेल, उपसंचालक समाज कल्याण विभाग दुर्ग, जन्तराम ठाकुर, विनय कुमार तिवारी, अरूण कुमार वर्मा, सोहन लाल बजार, स्वास्थ्य विभाग दुर्ग, बेमेतरा, बालोद, कबीरधाम, खैरागढ़ एवं सी.एम. मेडिकल कॉलेज कचान्दूर दुर्ग से आए हुए समस्त विशेषज्ञ डॉक्टर व उनकी टीम एवं अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थिति रहें।

विकलांग बुजुर्गों को जल्द मिलेगा शासन की योजना का लाभ : वोरा

दुर्ग। पंडित रविशंकर स्टेडियम दुर्ग में आयोजित संभाग स्तरीय वरिष्ठ नागरिक परीक्षण मूल्यांकन कार्यक्रम का शहर विधायक एवं राज्य भंडारगृह निगम के अध्यक्ष अरुण वोरा ने महापौर धीरज बाकलीवाल एवं अपिव आयोग उपाध्यक्ष आर एन वर्मा की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ कराया। इस दौरान अस्थि बाधित, दृष्टि बाधित, विकलांगता आदि का चिकित्सकों द्वारा परीक्षण किया गया। विधायक वोरा ने कहा कि बुजुर्गों की सेवा हमारा पहला कर्तव्य है इसी दिशा में प्रदेश में कांग्रेस सरकार मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप लगातार कार्य कर रही है। बुजुर्ग मजदूर हों किसान हों अथवा निम्न आय वर्ग के अन्य लोग सभी को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। परीक्षण उपरांत पात्र बुजुर्गों को श्रवण यंत्र, बैसाखी, व्हील चेयर, इलेक्ट्रॉनिक तिपहिया वाहन समेत यथोचित उपकरण शीघ्र ही प्रदान किए जाएंगे जिससे उनकी जिजीविषा में एक नवीन ऊर्जा का संचार होगा। वरिष्ठ जनों ने सदैव कांग्रेस की सेवा भावना को सम्मानित किया है। वृद्धा पेंशन , निराश्रित पेंशन के साथ ही सरकार ने संवेदनशीलता दिखाते हुए बुजुर्ग किसानों एवं संनिर्माण कर्मकारों के लिए भी अनेक योजनाएं शुरू की हैं जिसका जन मानस में अच्छा प्रतिसाद देखने को मिल रहा है। जल्द ही सभी वरिष्ठ जनों को बेहतर जीवन चर्या के लिए संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। इस दौरान जिला अध्यक्ष गया पटेल, विवेक मिश्रा, आसिफअली मौजूद थे।

कांग्रेस का महाअधिवेशन को लेकर हुई बैठक

कार्यकर्ताओं ने मिली जिम्मेदारी को निर्वहन करने का लिया संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में 24,25 व 26 फ़रवरी को होने वाले कांग्रेस के 85 वें अधिवेशन की तैयारियों को लेकर विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल, पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष आरएन वर्मा ने बैठक की। कांग्रेस के 85 में अधिवेशन हेतु दुर्ग शहर कांग्रेस को महती जिम्मेदारी सौपते हुए महापौर ने बैठक बुलाई।

रायपुर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित 85 अधिवेशन हेतु छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नगरीय निकाय मंत्री शिवकुमार डहरिया, दुर्ग विधायक अरुण वोरा, पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष आर.एन.वर्मा महापौर धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में बैठक ली गई थी। आज महापौर ने समस्त एम आई सी प्रभारी, पार्षद, समस्त ब्लॉक अध्यक्ष, महिला कांग्रेस एवं समस्त वरिष्ट पदाधिकारी सहित कांग्रेस साथियों को जिम्मेदारी दी गई। यह दुर्ग कांग्रेस के लिए ऐतिहासिक महत्व का विषय है। सभी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने दिया गया जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निर्हवन करने का संकल्प लिया।

24 से 26 फ़रवरी तक आयोजित महाधिवेशन मैं पूर्ण रूप से कार्य करेंगे व 26 को आयोजित महासभा हेतु अधिक से अधिक संख्या में लोगो को सभा स्थल में ले जाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर एमआईसी सदस्यगण,कांग्रेस पार्षद साथीगण सहित समस्त कांग्रेस पदाधिकारीगण मौजूद रहें।

स्वच्छता को लेकर विशेष अभियान, निगम ने किया जनजागरूकता रैली का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्वच्छता को लेकर 25 फ़रवरी तक विशेष गतिविधियां निगम के द्वारा जन सहयोग से आयोजित की जा रही है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 एवं कचरा मुक्त शहर के लिए भिलाई निगम के द्वारा विभिन्न प्रकार की गतिविधियां अपनाई जा रही है। इसके लिए 20 फ़रवरी से स्वच्छता का विशेष अभियान प्रारंभ हो चुका है जो कि 25 फ़रवरी तक चलेगा।

स्वच्छता के महाभियान का हिस्सा बनने के लिए महापौर नीरज पाल एवं निगमायुक्त रोहित व्यास ने भी सभी से अपील की है तथा अधिकारियों को अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर स्वच्छता कार्यक्रम के तहत अपनाई जा रही विशेष गतिविधियों में शामिल करने कहा है। प्रथम दिवस को तालाबों, सार्वजनिक स्थलों एवं धार्मिक स्थलों की सफाई जनप्रतिनिधि, राजीव युवा मितान क्लब तथा आम नागरिकों के सहयोग से किया गया। दूसरे दिन खुले प्लाट एवं सड़कों पर बिखरे मलबे को साफ करने का काम किया गया साथ ही कचरा फैलाने वालों को नोटिस जारी करने तथा उनसे अर्थदंड वसूल करते हुए मलबा की सफाई करने कहा गया। तीसरे दिन व्यवसायिक परिसरों में प्रतिबंधित प्लास्टिक मुक्त भिलाई के लिए जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया इसके अलावा प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग एवं विक्रय करने वाले व्यवसायियों से अर्थदंड वसूला गया।

अगले क्रम में निकाय क्षेत्र अंतर्गत समुदायिक सह सार्वजनिक शौचालयों की सफाई का काम किया जाएगा तथा शौचालय के उपयोग के संबंध में आम नागरिकों से फीडबैक लिया जाएगा, निकाय में चिन्हित जीव्हीपी पॉइंट की सघन सफाई की जाएगी, चौक-चौराहा में इसके लिए जागरूकता के आयोजन भी किए जाएंगे। लोगों को डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के दौरान सूखा कचरा अलग देने तथा गीला कचरा अलग देने जागरूक किया जाएगा।

सफाई अभियान के तहत रामनगर मुक्तिधाम तालाब, वार्ड 22 स्थित तालाब, सुंदरनगर लिम्हा तालाब, बैकुंठ धाम तालाब तथा हुडको स्थित तालाब आदि की सफाई जन सहयोग से की गई। नगर पालिक निगम भिलाई की अपील है कि कचरा खुले में न फेंके, सुखा कचरा एवं गीला कचरा पृथक-पृथक ही सफाई वाहन को देवें, सड़कों पर मलबा बिखेरकर न रखें, प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें तथा भिलाई को स्वच्छ शहर बनाने में अपनी महती भागीदारी निभाए।

सजा पूरे होने का बावजूद नहीं किया जा रहा रिहा रिहाई के लिए सिख पंचायत ने सौंपा ज्ञापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बंदी सिख जो किसी ना किसी मामले में अपनी सजा पूरी कर चुके हैं बंदी सिखों की रिहाई की मांग को लेकर जिला कलेक्टर दुर्ग को प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन छत्तीसगढ़ सिख पंचायत भिलाई दुर्ग के चेयरमैन जसबीर सिंह चहल एवं महासचिव गुरनाम सिंह कुका द्वारा संयुक्त बयान में बताया गया कि पिछले 30 सालों से सलाखों के पीछे जेल में बंद सिख कैदी जो कि अपनी सजा पूरी कर चुके हैं उनकी सजा पूर्ण होने के बावजूद भी उन्हें रिहा नहीं किया जा रहा है। इस बात को लेकर दुर्ग-भिलाई के सिख समाज में काफी रोष है सिख बंदियों की रिहाई के लेकर छत्तीसगढ़ सिख पंचायत भिलाई दुर्ग की तरफ से आज गुरुद्वारा नानकसर नेहरू नगर भिलाई में एकत्रित होकर रोष मार्च निकालकर दुर्ग कलेक्टरेट पहुंचे और प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

बीएसपी के राजहरा माइन्स ने रचा दैनिक कीर्तिमान

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के राजहरा स्थित आयरन ओर कॉम्पलेक्स (आईओसी) ने 21 फ़रवरी 2023 को लौह अयस्क उत्पादन में नया दैनिक कीर्तिमान स्थापित किया है। आईओसी, राजहरा माइन्स ने 21 फ़रवरी 2023 को 34069 टन लौह अयस्क का उत्पादन कर 22 जनवरी 2022 को स्थापित 33891 टन लौह अयस्क उत्पादन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

भिलाई की बेटी डॉ. अंकिता को कोरोना काल में उत्कृष्ट योगदान के लिए हिन्द शिरोमणी सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर की बेटी डॉ अंकिता शर्मा मिश्रा को कोरोना काल में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए हिन्द शिरोमणी सम्मान से विभूषित किया गया है। डॉ अंकिता ने हैदराबाद के निजाम मेडिकल कालेज में डीएम का कोर्स करने के दौरान कोविड के अति गंभीर मरीजों की नि:स्वार्थ सेवा की थी। जयपुर में दिए गए इस खिताब को उनकी तरफसे उनकी माता श्रीमती अलका शर्मा ने ग्रहण किया। डॉ अंकिता सम्प्रति निजाम मेडिकल इंस्टीट्यूट में सहायक प्रोफेसर हैं।

अंकिता का जन्म और स्कूली शिक्षा भिलाई में ही हुई है। अलका एवं राकेश शर्मा की पुत्री अंकिता ने डीपीएस रिसाली से अपनी स्कूली शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने कर्नाटक के एमआर मेडिकल कालेज गुलबर्गा से एमबीबीएस किया। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से एमडी फार्माकोलॉजी करने के बाद सुपरस्पेशलाइजेशन (डीएम) के लिए वे निजाम मेडिकल इंस्टीट्यूट हैदराबाद से संबद्ध हुईं। डीएम करने के बाद वे इसी संस्थान में अपनी सेवाएं दे रही हैं।

कोविड काल में डॉ अंकिता की ड्यूटी आईसीयू में लगी थी। कोविड की पहली और दूसरी लहर के दौरान उन्होंने बिना कोई छुट्टी लिए, स्वयं को सुरक्षित रखते हुए मरीजों की सेवा में जुटी रहीं। उनका फार्माकोलॉजी विभाग इस पूरे दौर में कोविड की मेडिसिन और वैक्सिनेशन के क्षेत्र में अनुसंधान कर रहा था। वे भारतीय कोविड वैक्सीन ट्रायल के फेस 1, 2 एवं 3 का सक्रिय हिस्सा रहीं। उनका आलेख 'कोविड-19 पैन्डामिक एवं उसके प्रभाव' एक अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुआ। उन्होंने टेली मेडिसिन के साथ-साथ कोविड-19 के मरीजों के आइसोलेशन के समय भी परामर्श देने के लिए सदैव अपनी उपलब्धता बनाए रखी।

सीए भिलाई ब्रांच की नई कार्यकारिणी ने किया पदभार ग्रहण, छत्तीसगढ़ की पहली महिला ब्रांच चेयरमेन बनी सीए पायल नवीन जैन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सीए भिलाई ब्रांच की निवर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल पूरा होने के बाद नई कार्यकारिणी ने पदभार ग्रहण कर लिया है। जिसमें सीए पायल नवीन जैन ने इतिहास रचते हुए छत्तीसगढ़ की पहली महिला चेयरमेन के रूप में भिलाई ब्रांच के चेयरमेन का पदभार ग्रहण किया।

भिलाई ब्रांच के प्रथम चेयरमेन सीए जेएल जैन एवं सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल के उपाध्यक्ष सीए किशोर बरड़िया व सिकासा चेयरमेन सीए अनिल यादव के विशेष आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में सभी नए पदाधिकारियों ने पदभार ग्रहण किया। नई कार्यकारिणी के अंतर्गत सीए राहुल बत्रा उपाध्यक्ष, सीए अंकेश सिन्हा सचिव, सीए सूरज सोनी कोषाध्यक्ष, सीए शिवम चौधरी सिकासा चेयरमेन और सीए प्रदीप पाल कार्यकारिणी सदस्य के दायित्व निर्वहन करेंगे। शपथ ग्रहण समारोह कोचर ऑडिटोरियम, सीए ब्रांच सिविक सेंटर में आयोजित किया गया था। तत्पश्चात लाइफ प्रोफेशन और बिजनेस मैनेजमेंट पर कार्यशाला का भी आयोजन किया गया जिसमें सूरत के सीए जय छैरा ने अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में वक्ता के रूप में उपस्थित सीए जय छैरा ने उपस्थितजनों को लाइफ प्रोफेशन और बिजनेस मैनेजमेंट पर जरूरी टिप्स दिये। उन्होंने बताया कि लाइफ एंजॉय करने के लिए प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ दोनों का ठीक ढंग से चलना बे?हद जरूरी है। वर्तमान में लोग प्रोफेशनल लाइफमें इस कदर उलझ गए हैं कि उनकी पर्सनल लाइफ प्रभावित हो रही है। कई बार कामकाजी जीवन उनके रिश?ते और परिवार में बाधा भी बन जाता है। प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को बैलेंस करना जरूरी है।

जो लोग ऐसा करने में नाकाम हो जाते हैं उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लाइफ को ईजीगोइंग बनाने के लिए मैजेजमेंट और समझदारी की आवश्यकता होती है। यदि सभी कामों की सही प्लानिंग की जाए तो प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों लाइफको बैलेंस किया जा सकता है। इसमें समय की भी एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जिसे साथ में लेकर चलना बहुत ही आवश्यक है। कार्यक्रम में 200 से अधिक सीए सदस्यों एवं छात्रों सहित गणमान्य जन उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950